जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौनसिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौनसिटी, रविवार 22 मार्च, 2026

विचार बिन्दु

स्वयं प्रकाशित दीप को भी प्रकाश के लिए तेल और बत्ती का जतन करना पड़ता है बुद्धिमान भी अपने विकास के लिए निरंतर यत्न करते हैं। कोई भी व्यक्ति अयोग्य नहीं होता केवल उसको उपयुक्त काम में लगाने वाला ही कठिनाई से मिलता है। –शुक्रनीति

आयुर्वेदाचार्यों के ज्ञान को प्राथमिकता दीजिये

इंटरनेट ने आयुर्वेद पर समाचारों, सूचनाओं और नुस्खों का ऐसा विशाल बाज़ार खड़ा कर दिया है कि आप उससे बच नहीं सकते। वस्तुतः इन्टरनेट, ब्लॉगिंग और सोशल मीडिया द्वारा उत्पादित भीड़–ज्ञान ने पत्रकारिता का ऐसा लोकतंत्रीककरण किया है कि भीड़ोत्पादित इस ज्ञान में प्रमाण–आधार की खोज बहुत कठिन होती जा रही है। विशेषकर, औषधियों के चमत्कारी प्रभाव का दुष्प्रचार आयुर्वेद की प्रमाण–आधारित विश्वसनीयता का सबसे बड़ा दुश्मन है। आज की चर्चा का मूल उद्देश्य यह बताना है कि जब सोशल–मीडिया द्वारा उत्पादित भीड़–ज्ञान आयुर्वेद के यथार्थ–ज्ञान को लील रहा हो तो आयुर्वेदाचार्यों का सहारा लेना ही उचित और कल्याणकारी होता है।

इन्टरनेट ने विशाल जनसंख्या के मध्य उपलब्ध दृष्टिकोणों की विविधता को लोगों तक पहुँचाने का अभूतपूर्व कार्य किया है। यह कार्य अकेले कोई भी मीडिया मानव इतिहास में कभी नहीं कर पाया था। लेकिन, इन्टरनेट दुधारी तलवार है। स्वार्थवादियों द्वारा जानबूझकर स्वहितसाधक सनसनीखेज झूठ और सूचनाओं के प्रचार का एक सर्वोत्तम वैश्विक मंच भी आज इन्टरनेट के रूप में मिल गया है। स्वास्थ्य लाभ के लिये वैज्ञानिक जानकारी युक्तिव्यपाश्रयी चिकित्सकीय योगों के निर्धारण में आवश्यक है। लेकिन सर्वश्रेष्ठ क्या है, इसकी आम लोगों द्वारा गलत व्याख्या कर लेने का खतरा तब और भी अधिक बढ़ जाता है जब साँच–झूठ बराबर लोकप्रिय हो रहे होते हैं। यह समस्या आज इसलिये भी बढ़ गयी है क्योंकि भगदड़ वाली जीवनशैली के कारण प्रकाशित सामग्री की सटीकता और सुस्पष्टता सुनिश्चित करने के लिये समय का अभाव है।

आयुर्वेद चमत्कार नहीं अपितु आहार, विहार, रसायन, और औषधियों का का सम्पूर्ण जीवनोपयोगी विज्ञान है। आजकल सोशल मीडिया और विज्ञापनों में आयुर्वेद के ऐसे नुस्खों की भीड़ है जो रामबाण, चमत्कारी, शर्तिया, अचूक, गुप्त इलाज़ आदि नाम से बिक रहे हैं। साथ में प्रलोभन यह भी रहता है कि लाभ न मिले तो पैसा वापस लीजिये। इन लोक–लुभावन परन्तु भ्रामक और अवैज्ञानिक दावों ने एक ओर आम आदमी को असमंजस में डाल रखा है, वहीं दूसरी ओर इन्हें बनाने और बेचने वाले चाँदी काट रहे हैं। आयुर्वेदिक औषधियों के संदर्भ में इस प्रकार के दावों से आयुर्वेद का जितना नुकसान हुआ है, उतना शायद ही कभी और हुआ हो।

वैसे तो शिक्षा के प्रसार के साथ ऐसे दावों के प्रति आमजन में संदेह और सजगता बढ़ी है, लेकिन इस व्यक्तिगत संदेह ने समूची आयुर्वेद चिकित्सा पद्धित को ही संदेहास्पद बनाना शुरू कर दिया है।

समस्या का केवल एक ही निदान है कि आप ऐसी जानकारी पर भरोसा कर लेने के बजाय उत्तम आयुर्वेदाचार्य की सलाह लीजिये। ख्याल रखिये, जिन लोगों द्वारा चमत्कार के दावे किये जाते हैं, उनका प्रायः आयुर्वेद से धन कमाने के अतिरिक्त और कोई लेना–देना नहीं रहता है।

गलाकाट प्रतिस्पर्धा में भिड़ी हुई फार्मेसियाँ बाकी कसर निकाल देती हैं जो उनकी औषधियों के चमत्कारी होने का दावा करती हैं। उदाहरण के लिये, चार राज्यों में आयुर्वेद की औषधियाँ बेचने वाली कुछ दुकानों में सबसे महंगी आयुर्वेदिक औषधि की उपलब्धता पूछे जाने पर उत्तर में जिन औषधियों के नाम आये, उनमें सबसे विस्मयकारी तो एक ऐसा रसायन मिला जिसके आधा किलोग्राम वजन वाले डिब्बे की कीमत 9900 रुपये से अधिक थी। इसके अलावा सैक्स और ब्यूटी के बाजार में आयुर्वेद के नाम पर कई गोपनीय औषधियाँ भी छायी हुई हैं, जो 5000 से 7000 रुपये प्रति पैक धड़ल्ले से बिकती हैं। जाने–अनजाने कई वास्तविक आयुर्वेदाचार्य भी गलती कर बैठते हैं, जब रोगी को परामर्श व औषधि–निर्धारण करते हुये प्रायः यह कह देते हैं कि इस औषधि का इस रोग में चमत्कारी प्रभाव है।

एक बार पुनः यह बताना आवश्यक है कि चमत्कार और विज्ञान का आपस में पुश्तैनी बैर है। चमत्कार के लिये कारण और प्रभाव को स्थापित करने की कोई सार्वभौमिक, सैद्धान्तिक या प्रायोगिक बाध्यता नहीं है। ड्रग एंड मैजिक रेमेडीज (ऑब्जेक्श्नेबल एडवरटाईजमेंट) एक्ट, 1954 ऐसी औषधियों के विज्ञापनों का निषेध करता है, जो चमत्कारी प्रभाव का दावा करती हैं। यह एक संज्ञेय या हस्तक्षेप्य अपराध है। तात्पर्य यह हुआ कि ऐसे प्रकरण में पुलिस बिना किसी न्यायालय की अनुमति के दखल कर सकती है। ऐसी 54 बीमारियों से संबंधित चिकित्सा, निदान या रोकथाम हेतु चमत्कारी दवा से संबंधित विज्ञापनों पर अभी प्रतिबंध है। इस वैधानिक स्थिति के बावजूद कैंसर, बहरापन, मधुमेह, बन्ध्यापन, नाड़ीतंत्र, पौरुष–ग्रंथि, मिर्गी, पथरी, गेंगरीन, लकवा, कुष्ठ, मोटापा, अस्थि–रोग, नामर्दगी, यक्ष्मा आदि जैसी अनेक बीमारियों के बारे में टेलीविजन, अखबार एवं सोशल मीडिया में चमत्कारी दावे आज भी किये जाते हैं। इनसे सावधान रहना आवश्यक है। रामबाण शब्द का हिंदी में प्रयोग देखने पर गूगल सर्च में 7.82 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। अंग्रेजी में मैजिक और आयुर्वेद खोजने पर लगभग 9.0 लाख सन्दर्भ आते हैं। इसी प्रकार रामबाण इलाज के 2.92 लाख सन्दर्भ, रामबाण दवा के 1.29 लाख सन्दर्भ, और रामबाण आयुर्वेदिक दवा के 1.36 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। यदि चमत्कार एवं आयुर्वेद खोजें तो 1.34 लाख सन्दर्भ मिलते हैं। इसके विपरीत, प्रमाण–आधारित आयुर्वेदिक चिकित्सा, या आयुर्वेद के मैजिक की साइंस खोजने पर 200 के अन्दर सभी सन्दर्भ सिमट जाते हैं। आयुर्वेद में चमत्कार किये जाने के दावे उन रोगों के लिये तो हैं ही जिन्हें असाध्य माना जाता है, परंतु बूढ़े को जवान बनाने, गोरा रंग व सुदर्शन काया प्राप्त करने, और नामर्द में मर्दानगी बढ़ाने के चमत्कारिक नुस्खे भी कोई कम नहीं हैं।

आयुर्वेद आयु का विज्ञान है, चमत्कार नहीं। आयुर्वेदिक औषधियां भी अचूक, रामबाण या चमत्कारिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुरूप ही प्रभावी या उपयोगी होती हैं। वस्तुतः आयुर्वेद एक प्रमाण-आधारित, विस्तृत, प्रभावी, समग्र और संपूर्ण चिकित्सा पद्धति है जिसके द्वारा स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी का रोगोपचार होता है।

वास्तविकता को तीन स्तरों पर देखा जाना आवश्यक है। पहली बात यह है कि आयुर्वेद की मूल संहिताओं में चमत्कारिक चिकित्सा जैसा कोई पाठ पढ़ने में नहीं आता। दूसरा, आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों में भी इस प्रकार के हाथों–हाथ चमत्कार का कोई प्रमाण नहीं मिलता। और, अंततः आयुर्वेदाचार्यों के अनुभवजन्य–ज्ञान में भी चमत्कार के कोई लिखित व शोधपरक प्रमाण नहीं मिलते, भले ही उनमे से कुछ ने इस शब्द को त्रुटिवश बार–बार उपयोग करने की आदत डाल ली हो।

आयुर्वेद में सबसे पुराने ग्रन्थ चरकसंहिता एवं सुश्रुतसंहिता की भाषायी व्यवस्था प्रायः आधुनिक काल के वैज्ञानिक शोध–पत्रों की तरह संयमित एवं मर्यादित है। यही बात आचार्य वाग्भट के अष्टांग हृदय पर भी लागू होती है। यहां तक कि 13वीं शताब्दी में लिखी गई शारंगधरसंहिता या बाद के काल में आचार्य चक्रपाणिदत्त द्वारा लिखे गये चिकित्सा ग्रन्थ चक्रदत्त में कहीं–कहीं भाषायी अलंकार अवश्य परिलक्षित होता है, तथापि चमत्कार जैसे शब्दों से उन्होंने भी उचित और सम्मानजनक फ़ासला बनाये रखा। संहिताओं के ऐसे श्लोक, जो चमत्कार के नजदीक जाते हुये परिलक्षित होते हैं, वे भी हमारे द्वारा भाषा की समझ के फेर के कारण ही होगा, अन्यथा संहिताओं के प्रत्येक योग का विस्तृत वर्णन एवं संबंधित औषधि की फलश्रुति में चमत्कार शब्द का प्रयोग नहीं हुआ। इनमें रोग–निदान एवं चिकित्सा, आहार–विहार, रसायन एवं औषधि के साथ पथ्य–अपथ्य का विस्तृत वर्णन मिलता है। चरकसंहिता के संपूर्ण चिकित्सा स्थान और उस पर दिग्गज आचार्यों जैसे चक्रपाणि, गंगाधर आदि द्वारा की गई टीकाओं में भी चमत्कार शब्द के दर्शन नहीं होते हैं। इनमें चिकित्सकीय योगों और औषधियों, उनसे जुड़ी संपूर्ण जानकारी तथा प्रभाविता के लिये तुलनात्मक जानकारी का ऐसा वर्णन है जिन्हें आज भी विज्ञान–सम्मत माना जाता है। संहिताओं में तो इस हद तक सावधानी बरती गई है कि जिन प्रकरणों में अतिशयोक्ति अलंकार है, उनमें आचार्यों ने प्रायः ऐसा इंगित भी कर दिया है या सुनी–सुनाई होने का संकेत कर दिया है। यहाँ तक कि भैषज्य रत्नावली नामक ग्रन्थ में जहाँ एक योग का नाम रामबाण रस है, उपमा के बावज़ूद उसका वर्णन भी तार्किक और मर्यादित है।

इन परिस्थितियों में ध्यान रखने योग्य सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आयुर्वेद आयु का विज्ञान है, चमत्कार नहीं। आयुर्वेदिक औषधियां भी अचूक, रामबाण या चमत्कारिक नहीं बल्कि वैज्ञानिक सिद्धांतों के अनुरूप ही प्रभावी या उपयोगी होती हैं। वस्तुतः आयुर्वेद एक प्रमाण–आधारित, विस्तृत, प्रभावी, समग्र और संपूर्ण चिकित्सा पद्धति है जिसके द्वारा स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी का रोगोपचार होता है।

आयुर्वेद आयु का विज्ञान है, आय का नहीं। पर समय तेजी से बदल रहा है, और यह आयुर्वेद के लिये अच्छा ही है, बशर्ते बात प्रमाण–आधारित आयुर्वेद की हो रही हो। बात यदि भयंकर से भयंकर एसिडिटी चुटकी बजाते ही गायब कर दिये जाने की हो तो इसे झांसेबाज़ी ही समझिये। प्राचीन भारतीय साहित्य का सहारा लें तो यह कहना समीचीन होगा कि रामबाण केवल रामजी के पास ही है, और उसका प्रयोग भी केवल उन्ही के बस की बात है। औषधियों के चमत्कारी प्रभाव का दुष्प्रचारी दावा प्रमाण–आधारित आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति की वैज्ञानिकता और विश्वसनीयता का सबसे बड़ा दुश्मन है। लोगों को स्वविवेक का प्रयोग करते रहना चाहिये और किसी बहकावे में नहीं आना चाहिये। आयुर्वेद को चमत्कार नहीं, अपितु विशिष्ट विधियों एवं सिद्धांतों से युक्त एक उत्कृष्ट चिकित्सा विज्ञान समझने में ही व्यक्ति, समाज और अर्थव्यवस्था की भलाई है।

समस्या असली आयुर्वेदाचार्य को छाँटने की भी कम नहीं है। किसी भी शहर में वास्तविक और असली बैचलर ऑफ़ आयुर्वेदिक मेडिसिन एंड सर्जरी की उपाधि वाले आयुर्वेदाचार्यों के अलावा विविध उपाधियों के बोर्ड लगे वैधजी, वैध्यजी, वेदकाचार्य, वेदजी, वेधजी आदि भी खूब फल–फूल रहे हैं। ये सब छद्मायुर्वेदाचार्य हैं। ऐसी स्थिति में ध्यान रखिये, विधिवत आयुर्वेद की शिक्षा प्राप्त बेचलर ऑफ आयुर्वेदिक मेडिसन एंड सर्जरी, मास्टर आफ आयुर्वेदिक मेडिसिन, आयुर्वेद में डॉक्टर ऑफ फिलोसफी जैसी उपाधियाँ ही मान्य हैं। वास्तविक और मान्य उपाधियों से रहित कोई भी व्यक्ति चिकित्सा करता है तो वह चिकित्सकीय दुष्कर्म है।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त;वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

भारत को ईरान-अमेरिका की रमजान और नववर्ष की गिफ्ट

रामनिवास बैरवा

अनेक प्रकार के उतार–चढ़ाव के दावों के साथ अमेरिका–ईरान का युद्ध जारी है। अमेरिका ने रूसी तेल की खरीद पर भारत पर पाबंदी लगाई थी, और ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से पूरे अरब देशों से तेल–गैस के टैंकरों को गुजारना बंद कर दिया। लेकिन अमेरिका ने रूस से 30 दिनों तक तेल खरीदी की भारत को छूट देकर होली के त्यौहार पर जहाँ वसन्त के नववर्ष का उपहार दिया है, वहीं ईरान ने भी भारत के दो गैस टैंकरों को होरमुज जलडमरूमध्य से गुजर जाने की छूट देकर होली और रमजान महिने का उपहार दिया है। इन दो एल.पी.जी. कंटेनर जहाजों के अलावा अभी भी (18 मार्च, 2026 को) भारतीय झंडे के 22 जहाज और 611 नायिक होर्मुजस्ट्रेट में फंसे पड़े हैं। इनमें 06 एल.पी.जी. के, एक एल.एन.जी. का और 04 कच्चे तेल के कंटेनर–जहाज शामिल है। इसे कूटनीतिक असकलता कहें या दो कंटेनरों को रास्ता देने–दिलाने का श्रेय लेने वालों का बड़बोलापन। क्योंकि बाकी के जहाजों को छोड़ने के लिए ईरान ने भारत के सामने शर्त रखी है कि अमेरिका के द्वारा लगाई गई पाबंदियों के अनुसार भारत के मुंबई में रोककर रखे गये तीन ईरानी जहाजों को छोड़ा जाये।

अमेरिका ने वसंत का उपहारदेने के साथ ही कह दिया है कि वह... चीन की गलती भारत में नहीं दोहरायेंगे। यानि कि जो योजनाएं चीन से शिफ्ट होने वाले उद्योगों के लिए पलक–पावड़े बिछाने के लिए बनाई जा रही थी, वे व्यवहार में आने से पहले ही खतम कर दी गई हैं।

यह कोई आज की बात नहीं है। 1947 में, जब से भारत के नेताओं ने भारत के शासन की बागडौर सम्भाली है, तब से ही अमेरिका, ब्रिटेन आदि देश भारत को नेताओं को विश्वसनीय नहीं मानते हुए यहां पूंजी निवेश या औद्योगिक निवेश नहीं कर रहे थे। और आज भी यहां निवेश नहीं कर रहे हैं। एफ.डी.आई और एफ.आई.आई. भारतीय शेयर बाजार के माध्यम से किया जा रहा है जो कि शेयरबाजार में तेजी लाने के साथ–साथ महंगाई, मुद्रास्फीति को साथ लाते हैं।फिर शेयरबाजार में बिकवाली करके बनावटी गिरावट लाई जाती है और विदेशी पूंजी निकालकर उसे डॉलरों में विदेशों में भेज दी जाती है। इस प्रकार अमेरिका या विदेश में ब्याज से कम आमदनी के मुकाबले एफ.डी.आई. और एफ.आई.आई से कहीं ज्यादा कमाई की जाती है। भारत कोई नाम में महंगाई और मुद्रास्फीति मिलती है।

2014 में छपी मेरी पुस्तक "अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी और भारतीय अर्थव्यवस्था" में मैंने एक पूरा अध्याय 'चीन की चर्चा' का लिखा था। उसी के क्रम में 2019 में मेरी उसी कड़ी की दूसरी पुस्तक "अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी का साम्राज्य" छपी थी जिसमें मैंने "राजनीतिक पुनर्गठन, प्रतिद्वंदिता– विश्वव्यापी वित्तीय पूंजी के सिडिकेट, पेट्रोडॉलर और अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी और भारत के अलावा साम्राज्य के लिए एक और युद्ध की तैयारी" जैसे अध्याय शामिल किये थे। उसमें यह व्यक्त किया था कि अमेरिका और यूरोपीय देश भारत के राजनीतिक और सामाजिक माहौल को देखते हुए यहां पूंजी निवेश नहीं करेंगे, यहां तक कि मध्यपूर्व के इस्लामिक देश भी भारत में पूंजी निवेश के लिए आगे नहीं आयेंगे, बल्कि चीन के साथ सहयोग करने से ही भारत की औद्योगिक प्रगति होगी। अमेरिका द्वारा चीन से उतारे गये कफन से भारत के वस्त्र नहीं बनेंगे, यह बात समझ लेनी चाहिए। अमेरिका के साथ चाहे कितनी भी अच्छी ट्रेड डील कर ली जाये, यूरोपियन यूनियन से चाहे कैसी भी फ्री–ट्रेडडील कर ली जाये, उनसे भारत में औद्योगिक विकास नहीं होगा, सिर्फ व्यापार ही बढ़ेगा। कभी सोवियत संघ ने भारत में भारी उद्योग लगाने से वित्तीय, तकनीकि और कलपुर्जे देकर सहायता की थी, उसी प्रकार आज चीन तकनीक, कलपुर्जे और वित्तीय से भारत के विकास की नींव डालेगा, अमेरिका या यूरोप नहीं।

प्रसंगवश, यह बताना भी सही होगा कि ब्रिटेन और अमेरिका आपस में चिर सहयोगी होने के बावजूद दोनों एक–दूसरे पर विश्वास नहीं करते। कारण उनके भूतकाल में है। अमेरिका के ब्रिटेनवासी ब्रिटिश साम्राज्य से विद्रोह करके ही अमेरिकी बने हैं; ब्रिटेन इस टीस को कभी नहीं भूल सकता, जैसे भारत पाकिस्तान और बांग्लादेश के अस्तित्व से अभी तक भी खफा है। दूसरा यह कि दूसरे विश्वयुद्ध के बाद ब्रिटेन, फ्रांस एवं अन्य यूरोपीय देशों में हुए नुकसान की भरपाई के लिए अमेरिका ने जो सहायता देनी थी, वह ब्रिटेन के माध्यम से ही दी थी, लेकिन ब्रिटेन ने अन्य देशों को उनकी पूरी सहायता राशि नहीं दी थी। इससे भी अमेरिका एवं अन्य यूरोपीय देशों में ब्रिटेन की विश्वसनीयता वैसी नहीं है जैसी की होनी चाहिए। यही कारण है कि ब्रिटेन यूरोपियन यूनियन से अलग हो गया और अपनी मुद्रा पौंड–स्टर्लिंग के माध्यम से अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय पूंजी की दौड़ में बना बैठा है। उधर रूस और चीन के आपसी तालमेल को सहयोग कहना गलत है।

उन दोनों देशों में खुश्चेव के जमाने से लेकर ब्रेझनेव तक काफी तन–तनी रही है, और आज चीन रूस से आगे है तो आपसी तालमेल हैं अन्यथा रूस की नियत यूक्रेन में देखी जा सकती है। लेकिन ब्रिटेन को पता होना चाहिए कि बीती बहारें फिर से नहीं आयेंगी, खलीफाओं का साम्राज्य ना तो तुर्किये में बन पायेगा, ना ही तेहरान में। इनमें जो भी मिलता है, इनसे जो भी रियायतें मिलती है, यह भारत की खामोशी का मूल्य ही माना जायेगा। दुर्भाग्य से, भारत को दिवाली की गिफ्ट देने वाला दुनिया में कोई भी देश नहीं है। दिवाली की गिफ्ट तो केवल भारत की जनता ही दे सकती है, भारत की मानवपूंजी ही दे सकती है, वह भी तब, जबकि मानवपूंजी के समकक्ष का आपसी सहयोग हो।

-रामनिवास बैरवा,
पूर्व क्षेत्रीस भविष्य निधि आयुक्त

इंतजार के 200 साल : जैसलमेर की वो शाही गणगौर जो आज भी अपने ईसर के बिना अधूरी है

अचलदास डांगरा

राजस्थान अपनी गौरवशाली परंपराओं और उत्सवों के लिए विश्वभर में विख्यात है, लेकिन स्वर्णनगरी जैसलमेर की शाही गणगौर का इतिहास जितना भव्य है, उतना ही भावुक भी। जहाँ पूरे प्रदेश में ईसर–गणगौर (शिव–पार्वती) की जोड़ी की पूजा होती है, वहीं जैसलमेर में माता गणगौर की सवारी पिछले दो शताब्दियों से अकेली ही निकल रही है।

इतिहासकारों के अनुसार, आज से लगभग 200 वर्ष पूर्व रियासत काल में जैसलमेर और बीकानेर के बीच सीमा विवाद चल रहा था। एक बार गणगौर की तीज पर जब शाही लवाजमा गड़ीसर सरोवर पर माता को पानी पिलाने पहुँचा, तो बीकानेर के सैनिकों ने अचानक आक्रमण कर दिया। जैसलमेर के योद्धाओं ने वीरता दिखाई और गणगौर माता की प्रतिमा को तो बचा लिया, लेकिन वे भगवान ईसर की प्रतिमा को नहीं बचा सके। बीकानेर की सेना ईसर जी को अपने साथ ले गई। इस ऐतिहासिक घटना के बाद, जैसलमेर के राजपरिवार और प्रजा ने निर्णय लिया कि वे अपनी मर्यादा और स्वाभिमान को झुकने नहीं देंगे। तब से यहाँ गणगौर की सवारी अकेले ही निकाली जाने लगी। आज भी यहाँ बिना ईसर के ही शाही गणगौर की पूजा होती है, जिसे स्थानीय लोग माता का अपने ईसर के प्रति अखंड इंतजार मानते हैं। वर्तमान में सोनार दुर्ग के त्रिपोलिया कक्ष में माता को बहुमूल्य वस्त्रों, हीरों और स्वर्ण आभूषणों से सजाया जाता है।

पूर्व महारावल और राजपरिवार के सदस्य सोनार दुर्ग के त्रिपोलिया कक्ष में माता की विशेष पूजा करते हैं। स्थानीय पुरुष महिलाए, युवक युवतियाँ भी गणगौर माता के दर्शन करते है। एक दशक पूर्व शाही लवाजमे के साथ ऊंटों, घोड़ों और ढोल–नगाड़ों के बीच माता की सवारी दुर्ग से गड़ीसर सरोवर तक निकलती थी। लोक संस्कृति का संगमः उस दौरान मार्ग में हजारों की संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक माता के दर्शन करते थे। महिलाएँ मंगल गीत गाती थी और लोक कलाकार अपनी कला का प्रदर्शन करते थे।

–अचलदास डांगरा,
वरिष्ठ पत्रकार, जैसलमेर

गणगौर का पर्व श्रद्धा के साथ मनाया, महिलाओं ने पूजा-अर्चना की

मसूदा, (निसं)। उपखंड क्षेत्र में शनिवार को गणगौर का पर्व पारंपरिक श्रद्धा, हर्षोल्लास और अटूट आस्था के साथ मनाया गया। अखंड सौभाग्य और सुख–समृद्धि की कामना को लेकर सुहागिन महिलाओं और कन्याओं ने ईसर–गणगौर का विधि–विधान से पूजन किया।

पारंपरिक परिवेश में सजीं महिलाएं के मन में इस पर्व को लेकर सुबह से ही उत्सव का माहौल नजर आया। महिलाएं और युवतियां

■ महिलाओं ने अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की कामना की

पारंपरिक राजस्थानी वेशभूषा और आभूषणों में सज–धज कर आँखों पर फैंसी चश्मा, हाथों में मेहंदी और मंगल गीतों के साथ महिलाये स्थानीय सुभाष उद्यान पहुंची और वहां विभिन्न प्रकार के फूल पत्तियों से अपने कलश सजाएं और गाजे बाजे के साथ गणगौर के पारंपरिक गीत गाते हुए कलश लेकर घर पहुंची। महिलाओं ने समूह में एकत्र होकर गणगौर माता की पूजा कर, जल पिलाने, चूरमे का भोग लगाने और कथा सुनकर रस्म पूरी की। इस अवसर पर कई घरों में इशर गणगौर की विशेष सजावट कर स्थापित किया

पूजन के दौरान महिलाओं ने खेले गणगौर माता... जैसे पारंपरिक गीतों के माध्यम से अपनी श्रद्धा व्यक्त की। कई स्थानों पर समाज ने सामूहिक आयोजन किए गए, जहां बड़ी संख्या में महिलाओं ने एक साथ पूजा–अर्चना की।

मसूदा उपखंड क्षेत्र में गणगौर का पर्व पारंपरिक श्रद्धा, हर्षोल्लास और अटूट आस्था के साथ मनाया।

गौरैया संरक्षण का संदेश दिया

अजमेर, (निसं)। विश्व गौरैया दिवस के अवसर पर लायंस क्लब अजमेर पृथ्वीराज ने पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए शहर में चिड़ियों के लिए पानी के परिंडे और दाना रखने हेतु चुग्गा पात्र वितरित किए। इस अभियान के माध्यम से आमजन को गौरैया संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। डिस्ट्रिक्ट चीफ मीडिया कोऑर्डिनेटर लायन राजेंद्र गांधी ने बताया कि गौरैया हमारे पर्यावरण, प्रकृति और सांस्कृतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। तेजी से बदलते शहरी परिवेश के कारण इनकी संख्या में कमी आई है, जिसे बचाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि घरों में प्राकृतिक आवास, आश्रय, दाना–पानी की व्यवस्था कर ही हम इस नन्ही चिड़िया का अस्तित्व सुरक्षित रख सकते हैं। कार्यक्रम के तहत वैशाली नगर स्थित बड़केश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं और स्थानीय नागरिकों को परिंडे एवं चुग्गा पात्र वितरित किए गए। साथ ही लोगों से अपील की गई कि वे नियमित रूप से अपनी छत या मुंडेर पर इन पात्रों में पानी और दाना भरें, जिससे पक्षियों को राहत मिल सके।

राशिफल रविवार 22 मार्च, 2026

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, चतुर्थी तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2083, भरणी नक्षत्र रात्रि 10:43 तक, वैधृति योग दिन 3:41 तक, वणिज करण दिन 10:37 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

गृह स्थितिः सूर्य–मीन, चन्द्रमा–मेष, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज रवियोग रात्रि 10:43 तक है। ज्वालामुखी योग रात्रि 9:17 से रात्रि 10:43 तक है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 8:03 से 9:33 तक, लाभ अमृत 9:33 से 12:34 तक, शुभ 2:04 से 3:34 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 6:33, सूर्यास्त 6:35

मेष
मनःस्थिति ठीक रहेगी। मनोबल–आत्मविश्वास बढ़ेगा। आवश्यक कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। आज परिवार में मनोरंजन पर धन खर्च हो सकता है।

वृष
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण बाहर जाना पड़ सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है।

मिथुन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

कर्क
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज आवश्यक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

सिंह
आज परिवार में शुभ–धार्मिक–मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग बना रहेगा।

कन्या
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। सामने आ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

तुला
परिवार में प्रसन्नता–हर्षोल्लास का माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक–मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज आपसी सहयोग–समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

वृश्चिक
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। आज अटके हुए कार्य बनने लगेंगे।

धनु
आज परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में मनोरंजन का माहौल रहेगा। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर
घर/परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी।

कुंभ
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। आज मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग–समन्वय से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आज मित्रों के साथ मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मीन
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आज महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 139 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 22 मार्च, 2026 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव, ''प्रॉक्सी वॉर'' बना राजस्थान के वरिष्ठ नेताओं के लिए

डोटासरा ने अभिषेक चौधरी को अपने उम्मीदवार के रूप में अपनाया है। डोटासरा के इस उम्मीदवार को पूर्व यूथ कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चांदना का भी पूर्ण समर्थन प्राप्त है

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। राजस्थान कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने अपने समर्थक अभिषेक चौधरी के जरिए यूथ कांग्रेस अध्यक्ष चुनाव में कदम रख दिया है।

यदि अभिषेक जीतते हैं, तो डोटासरा यह दिखा पाएंगे कि वे अशोक गहलोत और सचिन पायलट दोनों से आगे हैं और राजस्थान युवा कांग्रेस पर उनका नियंत्रण है।

डोटासरा ने कई जिला अध्यक्षों की नियुक्ति की है और उम्मीद है कि उनके प्रभाव का इस्तेमाल कर अभिषेक के लिए वोट और समर्थन जुटाया जाएगा। पूर्व युवा कांग्रेस अध्यक्ष अशोक चांदना ने भी डोटासरा का समर्थन किया है।

दिलचस्प बात यह है कि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत इस पूरे घटनाक्रम में कहीं नज़र नहीं आ रहे हैं और ऐसा लगता है कि उन्हें नज़रअंदाज़ किया जा रहा है। कोई भी उम्मीदवार गहलोत का समर्थन हासिल करने की कोशिश करता नहीं दिख रहा है। सवाल उठ रहा है कि क्या राजस्थान कांग्रेस में अशोक गहलोत का प्रभाव अब कम हो गया है, क्योंकि उनके कई करीबी नेता उनका साथ छोड़ चुके हैं।

वहीं, सचिन पायलट ने अभी तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। हालांकि अटकलें हैं कि चुनाव लड़ने वाले तीन संभावित उम्मीदवार उनके खेमे से हो सकते हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **अशोक गहलोत की यूथ कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव में अभी तक नगण्य सी भूमिका है।**
- **सचिन पायलट ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। पर, बाकी गंभीर उम्मीदवार, अनिल चोपड़ा, मुकुल खींचड़ अपने आप को सचिन पायलट का उम्मीदवार होना बता रहे हैं। सीकर के राजकुमार परसवाल भी उम्मीदवार हैं, ऐसा कहा जा रहा है कि सीकर के वरिष्ठ नेता सीताराम लाम्बा के मार्फत गहलोत, परसवाल को अपना उम्मीदवार जता रहे हैं।**
- **ऐसा माना जा रहा है कि डोटासरा अपने उम्मीदवार अभिषेक को जितवाकर आगामी विधानसभा चुनाव की ज़मीन तैयार कर रहे हैं, क्योंकि यह आम धारणा है कि जो व्यक्ति यूथ कांग्रेस अध्यक्ष पर अपना नियंत्रण दिखा सकेगा, वह कांग्रेस की प्रदेश की भावी राजनीति पर अपना शिकंजा कस सकेगा। डोटासरा अभिषेक चौधरी को जितवाकर यह साबित करना चाहते हैं कि वे गहलोत व पायलट के समकक्ष नेता हो गए हैं, क्योंकि युवा शक्ति उनके साथ है।**

राज्यों को 20 प्रतिशत ज्यादा एलपीजी मिलेगी

नई दिल्ली, 21 मार्च। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने शनिवार को देश में जारी गैस संकट के बीच राज्यों को बड़ी राहत दी है। इस संबंध में मंत्रालय के सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को पत्र लिखकर एलपीजी सप्लाई बढ़ाने का निर्देश दिया है।

उन्होंने अपने पत्र में लिखा है कि 23 मार्च 2026 से राज्यों को अब पहले के मुकाबले 20 प्रतिशत ज्यादा गैस दी जाएगी।

यह जो अतिरिक्त 20 प्रतिशत गैस दी जाएगी, उसका प्रयोग चुने गए सेक्टरों के लिए प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। डॉ. नीरज मित्तल के पत्र के मुताबिक, यह सप्लाई मुख्य रूप से ढ ाबों, होटलों, रेस्टोरेंट और इंडस्ट्रियल कैंटीन को दी जाएगी। इसके पीछे सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि खान-पान की सेवाओं और फूड इंडस्ट्री पर संकट का असर कम से कम से कम हो।

प्रवासी मजदूरों की जरूरतों का भी मंत्रालय ने ध्यान रखा है। पत्र के मुताबिक 5 किलो वाले फ्री ट्रेड

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **एलपीजी संकट के बीच केन्द्र सरकार ने नई व्यवस्था घोषित की, जो 23 मार्च से लागू होगी।**

ईरान ने 4000 किलोमीटर दूर अमेरिकी ''बेस'' डिएगो गार्सिया को निशाना बनाया

हालांकि, इस मिसाइल हमले से ''एयर बेस'' को क्षति नहीं पहुंची, पर, खाड़ी युद्ध का आयाम बदल गया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। ईरान ने अमेरिका-इज़रायल गठबंधन के साथ चल रहे युद्ध को पश्चिम एशिया से बहुत दूर, करीब 4,000 किलोमीटर दूर, हिंद महासागर के डिएगो गार्सिया द्वीप तक फैला दिया है। ईरान की मिसाइलों की इतनी लंबी मारक क्षमता ने पश्चिम के सैन्य हलकों को चौंका दिया है और रणनीतिक विशेषज्ञों को भी हैरान कर दिया है

अब तक माना जाता था कि ईरान के पास 1250-1300 किलोमीटर तक मार करने वाली मध्यम दूरी की मिसाइलें ही हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान ने अपनी मिसाइल क्षमता को छिपाकर रखा था और इनके बारे में कम जानकारी दी थी।

ब्रिटेन ने हाल ही में अमेरिका को चागोस द्वीप समूह के डिएगो गार्सिया स्थित अपने एयरबेस का उपयोग ईरान पर हमले के लिए करने की अनुमति दी थी। इसके जवाब में ईरान ने इस एयरबेस को निशाना बनाकर अपनी मिसाइल शक्ति दिखाने की कोशिश की। हालांकि, ईरान की लंबी दूरी की बैलिस्टिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **हालांकि, अमेरिका अभी भी अपने बड़बोलेपन से बाज नहीं आया तथा दावा करता रहा है कि ईरान पर विजय हासिल कर ली है, अतः अब युद्ध को ठंडा करना शुरु करेगा।**
- **पर, सच्चाई यह प्रतीत होती है कि बेबस अमेरिका अब किसी भी तरह खाड़ी युद्ध से भागना चाहता है।**
- **एक तरफ तो ईरान की मिसाइल की मार इतनी दूर तक होना तथा अमेरिका के आधुनिक लड़ाकू विमान एफ-16 को ईरान द्वारा गिराने से अमेरिका ने ईरान की तरफ अपना रूख भी ढीला किया तथा ईरान को अपना तेल बेचने की ''इजाज़त'' दी। इस तरह ईरान का 140 मिलियन बैरल ऑयल, जिसकी कीमत लगभग 14 बिलियन डॉलन आंकी जाती है, अब बिक्री के लिए बाज़ार में आ गया है।**
- **झेंप मिटाने के लिए अमेरिका अब यह भी कह रहा है कि उसे स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ की जरूरत नहीं है, क्योंकि इस रास्ते से एशिया व चीन का तेल आता है, अमेरिका का नहीं। पर, फिर भी वह आसानी से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ खुलवा सकता है, अगर कुछ देश उसका साथ दें।**

हाई कोर्ट ने यूएनआई से दिल्ली मुख्यालय छीना

हाई कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने पत्रकारों को मुख्यालय से बाहर निकाला

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। पुलिस ने वकीलों और अधिकारियों के साथ शुक्रवार रात यहां यूएनआई समाचार एजेंसी के मुख्यालय को सील कर दिया, क्योंकि दिल्ली हाई कोर्ट ने उसे सरकारी जमीन से बेदखल करने का आदेश दिया। पत्रकारों को उस समय बाहर निकाल दिया गया, जब उनका काम का बहुत तेजी पर था।

अदालत ने कहा कि यूएनआई 45 वर्षों से अधिक समय तक इस मूल्यवान सार्वजनिक भूमि पर प्रभावी रुप से कब्जा जमाए हुए थी, जबकि वह भूमि आवंटन की शर्तों के तहत अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में असमर्थ रही।

पुलिस की यह कार्रवाई दिल्ली हाई कोर्ट के आदेश के कुछ ही घंटों बाद हुई। दिल्ली हाई कोर्ट ने सेन्ट्रल दिल्ली में, कनॉट प्लेस से कुछ ही दूरी पर स्थित, चार दशक पहले यूएनआई को दी गई भूमि के आवंटन को रद्द करने का आदेश दिया था।

न्यायमूर्ति सचिन दत्ता ने शुक्रवार दोपहर 1:30 बजे यह आदेश पारित किया और यूएनआई की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उसने 29 मार्च 2023 के भूमि एवं विकास कार्यालय के पत्र को चुनौती दी थी। इस पत्र में सेन्ट्रल दिल्ली के रफी मार्ग स्थित 2,024 वर्ग मीटर भूमि के आवंटन को रद्द किया गया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **जिस समय यह कार्यवाही हुई, उस समय पत्रकार काम में बहुत व्यस्त थे। ज्ञातव्य है कि इस ऑफिस से अंग्रेजी, हिंदी और उर्दू की न्यूज़ एजेंसीज़ काम करती हैं।**
- **हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यूएनआई ने 45 साल से कीमती सरकारी ज़मीन पर कब्जा कर रखा है और आवंटन की शर्तों का पालन भी नहीं किया है, इसलिए यह भूखंड तुरंत वापस लिया जाए।**
- **भूमि विकास कार्यालय ने 29 मार्च को सैंट्रल दिल्ली के, 9, रफी मार्ग स्थित 2024 वर्ग मीटर के भूखंड का आवंटन रद्द कर दिया था। यूएनआई ने इसे कोर्ट में चुनौती दी थी, पर हाई कोर्ट ने यूएनआई की याचिका खारिज कर दी।**

मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति को फोन किया

नई दिल्ली, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में पिछले 22 दिनों से जारी सैन्य संघर्ष के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन से शनिवार को टेलीफोन कर बातचीत की और ईद एवं नवरोज़ की बधाई दी। मोदी ने आशा व्यक्त की कि यह त्योहारों का मौसम पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आएगा।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढ ांचे पर हालिया हमलों पर चिंता जताई और उनकी कड़ी निंदा की।

प्रधानमंत्री ने नौवहन की स्वतंत्रता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **प्र.मंत्री मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन को ईद व नवरोज़ की शुभकानाएं दीं, पश्चिम एशिया शांति स्थापना के लिए वार्ता की।**

नीतीश के बेटे निशांत होंगे जद (यू) के वर्किंग प्रैसिडैंट

नीतीश सम्राट चौधरी को अपना उत्तराधिकारी बनाने के संकेत पहले ही दे चुके हैं

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जहां अपने उत्तराधिकारी के रूप में भाजपा के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को लेकर अपनी पसंद का संकेत साफ तौर पर दिया है, वहीं इस वरिष्ठ समाजवादी नेता ने वंशवादी राजनीति के प्रति अपना विरोध भी छोड़ दिया है, क्योंकि वे परोक्ष रूप से अपने बेटे निशांत कुमार को राज्य की राजनीति में आगे बढ़ा रहे हैं।

ऐसा माना जा रहा है कि नीतीश कुमार लगभग दो दशकों तक मुख्यमंत्री रहने के बाद, 9 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेने से पहले, अर्थात अप्रैल के प्रथम सप्ताह में, अपने पद से इस्तीफा दे देंगे।

कुमार, अपने गिरते मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य की रिपोर्टों के बावजूद, फिलहाल सक्रिय राजनीति छोड़ने के इच्छुक नहीं दिखते। वे चौथी बार भी जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर बने रहेंगे, और ऐसे भी साफ संकेत हैं कि वे अपने बेटे निशांत के लिए कोई महत्वपूर्ण पद चाहते हैं।

सूत्रों के अनुसार, निशांत को जदयू का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जा सकता है, तथा इस प्रकार वे संजय कुमार झा की जगह ले सकते हैं। इस पद के खाली होने की संभावना भी है। दरअसल हरिवंश नारायण सिंह का राज्यसभा कार्यकाल 9 अप्रैल को समाप्त हो रहा है और चूंकि हरिवंश को दोबारा नामित नहीं किया गया है, इसलिए ऐसे संकेत हैं कि संजय कुमार झा को इस पद पर पदोन्नत किया जा सकता है।

नीतीश कुमार को रविवार को औपचारिक रूप से जदयू का निर्वाचित अध्यक्ष घोषित किए जाने की संभावना है, क्योंकि इस पद के लिये नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि कल है।

हालांकि जदयू के कुछ नेताओं द्वारा निशांत को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की गई थी, लेकिन यह माँग कुछ ज्यादा ही बड़ी मानी जा रही थी। हालाँकि ऐसे पर्याप्त संकेत हैं कि उन्हें बिहार की राजनीति में बड़ी भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा है। यह भी संभावना है कि उन्हें बिहार की नई कैबिनेट में उपमुख्यमंत्री बना दिया जाये।

निशांत भी इस दिशा में सक्रिय नजर आ रहे हैं। वे हाल ही में जहानाबाद गए थे, जहां उन्होंने पूर्व सांसद अरुण कुमार और जदयू विधायक ऋतुराज

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **दो दशक तक बिहार के मुख्यमंत्री रहे नीतीश कुमार 9 अप्रैल को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ लेंगे और इससे पहले वे संभवतया बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे देंगे।**
- **नीतीश के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य के लगातार बिगड़ने की खबरों के बावजूद भी वे सक्रिय राजनीति में बने रहना चाहते हैं और जद (यू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहेंगे।**
- **निशांत के वर्किंग प्रैसिडैंट बनने से संजय झा को यह पद छोड़ना पड़ेगा और चर्चा है कि उन्हें राज्यसभा में हरिवंश नारायण सिंह के पद पर एडजस्ट किया जा सकता है। हरिवंश को इस बार राज्यसभा का टिकट नहीं मिला है।**

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने ईद की शुभकानाएं दी

नई दिल्ली, 21 मार्च। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को ईद-उल-फितर के अवसर पर देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए समाज में भाईचारा, सद्भाव एवं खुशहाली की कामना की।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने संदेश में कहा कि ईद-उल-फितर के पावन अवसर पर सभी देशवासियों, विशेषकर मुस्लिम समुदाय के लोगों को हार्दिक बधाई।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **तीनों नेताओं ने एक्स पर लिखी अलग-अलग पोस्ट समाज में भाईचारे, शांति व सद्भाव की कामना की।**

साउथ पार्स में आग लगी तो भारत की इकॉनमी भी झुलसेगी?

फारस की खाड़ी में स्थित साउथ पार्स विश्व का सबसे बड़ा गैस फील्ड है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में संघर्ष तेज होने के साथ, फारस की खाड़ी में स्थित एक सुदूर गैस क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था के लिए एक शांत, लेकिन गंभीर चिंता बनकर उभर रहा है। साउथ पार्स, कतर के नॉर्थ फील्ड के साथ साझा एक विशाल समुद्री गैस भंडार का ईरानी हिस्सा है। यह इसलिए महत्वपूर्ण है कि भले ही भारत सीधे ईरान से गैस नहीं खरीदता, लेकिन इसके आसपास का क्षेत्र अन्तर्राष्ट्रीय एलएनजी व्यापार के केन्द्र में है। यहां उत्पादन, शिपिंग या निवेशकों के भरोसे पर कोई भी खतरा जल्दी ही भारत की अर्थव्यवस्था, उद्योग और घरेलू बजट को प्रभावित कर सकता है।

भारत के लिए तत्काल खतरा गैस की आपूर्ति रुकने का नहीं, बल्कि कीमतों में तीव्र बढ़ोतरी का है। कतर, जिसका नॉर्थ फील्ड इसी बड़े भंडार का हिस्सा है, सन् 2024 में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा एलएनजी निर्यातक था और वैश्विक एलएनजी निर्यात का लगभग पांचवां हिस्सा कतर ही देता था। कतर का लगभग पूरा एलएनजी होर्मुज़ जलडमरूमध्य (स्ट्रेट) से होकर गुजरता है, जहां से 2025 में दुनिया के कुल एलएनजी व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत (करीब 112 अरब घन मीटर) गुजरता था। इससे साफ है कि साउथ पार्स, नॉर्थ फील्ड क्षेत्र केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि अन्तर्राष्ट्रीय गैस व्यापार का केन्द्र है।

भारत के लिए इसका मतलब यह है कि एलएनजी की बढ़ती कीमतें सिर्फ ऊर्जा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेंगी। इसका असर उर्वरक की लागत, शहरों में गैस वितरण, उद्योगों के ईंधन खर्च और अंत में महंगाई पर पड़ेगा। भारत पहले से ही आयातित तेल और गैस पर बहुत ज्यादा निर्भर है, और सरकारी आंकड़े बताते हैं कि देश की ऊर्जा व्यवस्था में इनका कितना बड़ा महत्व है। भले ही गैस की सप्लाई जारी रहे, लेकिन युद्ध का जोखिम, बीमा लागत और बाजार में अटकलें भारत के आयात बिल को बढ़ा सकती हैं।

समस्या का एक और पहलू है। अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, 2025 में होर्मुज़ से गुजरने वाले एलएनजी का लगभग 90 प्रतिशत एशिया जा रहा था। यानी, सबसे पहले असर एशिया पर पड़ता है और भारत भी उसी दबाव वाले क्षेत्र में आता है। अगर खाड़ी के समुद्री रास्तों पर तनाव बढ़ता है, तो भारत को न केवल ऊंची कीमतों का सामना करना पड़ सकता है, बल्कि अन्य एशियाई देशों के साथ गैस खरीदने की प्रतिस्पर्धा भी बढ़ सकती है। खासकर ऐसे बाज़ार में, जहां वास्तविक आपूर्ति रुकने से पहले ही कीमतें तेजी से बदलने लगती हैं।

साउथ पार्स इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह ईरान की अपनी गैस व्यवस्था के लिए बेहद जरूरी है। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन के अनुसार, इस क्षेत्र से होने वाला उत्पादन ईरान की घरेलू जरूरतों और निर्यात, दोनों के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए भले ही संघर्ष सीधे एलएनजी व्यापार को न रोके, लेकिन साउथ पार्स के आसपास अस्थिरता पूरे क्षेत्र में ऊर्जा को लेकर चिंता बढ़ा सकती है। बाज़ार सिर्फ आपूर्ति में कमी पर नहीं, बल्कि संभावित जोखिम के डर पर भी प्रतिक्रिया देता है

नई दिल्ली के लिए इसका साफ सबक है। युद्ध प्रभावित खाड़ी क्षेत्र में भारत की कमज़ोरी केवल तेल तक सीमित नहीं रही। अब गैस, समुद्री रास्ते और आयातित ऊर्जा की लागत भी उतनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **इसके बड़े हिस्से पर ईरान का कब्जा है और कतर का नॉर्थ फील्ड भी इसी से सटा हुआ है। खाड़ी युद्ध में अमेरिका-इज़रायल ने इस गैस फील्ड को निशाना बनाने की धमकी दी है।**
- **इस क्षेत्र पर हमले से पूरे विश्व में लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एलएनजी) की आपूर्ति प्रभावित हो जाएगी। यह क्षेत्र एलएनजी व्यापार का अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र है।**
- **भारत, एलएनजी के लिए पूरी तरह से आयात पर निर्भर है और अगर साउथ पार्स पर हमला हुआ तो भारत में एलएनजी के दाम आसमान छूने लगेंगे और यह भारत की बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था को गर्त में धकेल सकता है।**

'होर्मुज़ स्ट्रेट को बंद नहीं किया है'

तेहरान, 21 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच ईरान ने स्पष्ट किया है कि उसने रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद नहीं किया है, बल्कि केवल कुछ चुनिंदा जहाज़ों पर प्रतिबंध लगाए हैं। विदेश मंत्री अब्बास अराघची के इस बयान ने वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच स्थिति को लेकर नया स्पष्टीकरण दिया।

ईरान की तस्नीम न्यूज एजेंसी के अनुसार जापान की क्योदो न्यूज़ एजेंसी को दिए इंटरव्यू में ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि होर्मुज़ स्ट्रेट खुला है और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- **ईरान के विदेश मंत्री ने जापानी न्यूज़ एजेंसी को दिए इन्टरव्यु में कहा हम अपने सहयोगी देशों को रास्ता देने व उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तैयार हैं।**

70 लाख की अवैध शराब व बीयर से भरा कंटेनर पकड़ा, दो तस्कर गिरफ्तार

अवैध शराब व बीयर पंजाब से तस्करी कर गुजरात ले जाई जा रही थी

- कंटेनर को एस्कॉर्ट कर रही एक कार मौके से फरार होने में कामयाब हो गई
- पुलिस ने कंटेनर की तलाशी ली, जिसमें शराब और बीयर की 648 पेटियां बरामद हुई
- ट्रक को पीछे से खोल कर देखा तो उसमें पैकिंग गत्ते के रोल भरे हुए थे, पीछे से देखने पर शराब के कार्टून दिखाई नहीं दिए

सूरतगढ़, (निसं)। यहां सदर थाना पुलिस और जिला विशेष टीम ने शनिवार को 648 पेटी अवैध शराब व बीयर से भरा एक कंटेनर पकड़ा है। इसके साथ ही दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़ी गई शराब की कीमत करीब 70 लाख रुपए आंकी गई है।

एसपी हरीशंकर ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि पंजाब से गुजरात की ओर अवैध शराब से भरा कंटेनर ले जाया जा रहा है। सूचना पर सदर थाना के एएसआई इन्द्राज पूनियां व उनकी टीम ने जिला विशेष टीम के कॉन्स्टेबल पवन कुमार के साथ अनूपगढ़ रोड़ पर कंटेनर का पीछा किया। इस दौरान कंटेनर को एस्कॉर्ट कर रही एक कार मौके से फरार होने में कामयाब हो गई, जबकि पुलिस टीम ने कंटेनर को रोही 08 एसडी के पास रोककर तलाशी ली। जिसमें अवैध रूप से परिवहन की जा रही शराब और बीयर की कुल 648 पेटियां बरामद हुई। पुलिस टीम ने ट्रक सवार ड्राइवर प्रकाश कुमार (26) पुत्र मोहनलाल मेघवाल, निवासी चौहटन बाड़मेर और रुपाराम (20) पुत्र गोकलाराम भील, निवासी कापराऊ, चौहटन बाड़मेर को गिरफ्तार कर लिया।

सदर थाना के सहायक उप निरीक्षक इंद्राज पूनिया ने बताया कि ट्रक को पीछे से खोल कर देखा तो उसमें पैकिंग गत्ते के रोल भरे हुए थे, जिन्हें पहले थाने लाकर उतारा गया। पीछे से देखने पर शराब के कार्टून दिखाई नहीं दिए। केबिन की सघन जांच की तो उसमें एक अलग से ढक्कन लगाया हुआ था, जिसे खोलकर देखा तो अंदर अलग से एक और बॉक्सनुमा केबिन मिला, इसी में शराब के यह कार्टून भरे हुए थे। प्रारंभिक पड़ताल में दोनों आरोपियों ने इस शराब को पंजाब के कोटकपूरा इलाके से लोड कर गंगानगर, सूरतगढ़, अनूपगढ़ और जैसलमेर होते हुए गुजरात के अहमदाबाद की ओर ले जा जाने की जानकारी दी है। फिलहाल आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम में मामला दर्ज करते हुए प्रकरण में आगे की जांच सब इंस्पेक्टर संपत धायल को सौंपी गई है।

एएसआई इंद्राज पूनिया ने बताया कि 648 पेटियों में अलग-अलग ब्रांड की व्हिस्की और बियर बरामद हुई है, जिनका बाजार मूल्य करीब 70 लाख रुपए आंका गया है। पुलिस टीम में एएसआई इन्द्राज के साथ कॉन्स्टेबल सूर्यप्रकाश, कमलेश, अजय, रणवीर, अनिल कुमार, दिनेश और जिला विशेष टीम के कॉन्स्टेबल पवन कुमार शामिल रहे। इस कार्रवाई में कॉन्स्टेबल पवन कुमार की विशेष भूमिका रही।

मादक पदार्थ एमडी के साथ एक युवक गिरफ्तार

- नोखा में आरोपी के कब्जे से 31.94 ग्राम एमडी जब्त, एनडीपीएस एक्ट में मामला दर्ज

नोखा, (निसं)। पुलिस ने एक युवक को एमडी (मेफेड्रोन) के साथ गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 31.94 ग्राम मादक पदार्थ बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार, नोखा थाना के सब इंस्पेक्टर तनसुखराम अपनी टीम के साथ रात क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें जोरावरपुरा क्षेत्र में एक युवक के पास मादक पदार्थ होने की सूचना मिली। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर संदिग्ध युवक को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 31.94 ग्राम एमडी बरामद हुई। पूछताछ में युवक की पहचान स्वराज उर्फ शिवराज बिश्नोई के रूप में हुई है, जो नोखा के करणी माता मंदिर क्षेत्र का निवासी है। पुलिस ने आरोपी को तत्काल गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जब्त कर लिया। उसके खिलाफ नोखा थाने में एनडीपीएस एक्ट की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक जांच में पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि आरोपी यह मादक पदार्थ कहां से लाया था और इसे किसे सप्लाई करने वाला था। इस पूरे नेटवर्क में शामिल अन्य लोगों की भी जांच की जा रही है।

वहीं हनुमानगढ़ जंक्शन थाना पुलिस ने नशे के खिलाफ अभियान के तहत एक युवक को 7.50 ग्राम अवैध हेरोइन (चिट्टा) के साथ गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस के अनुसार यह कार्रवाई जिले में नशा तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान का हिस्सा है। गश्त के दौरान पुलिस टीम ने एक संदिग्ध युवक को रोका और उसकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 7.50 ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।

गिरफ्तार युवक की पहचान सहनवाज उर्फ नवाजा (35) निवासी चक 2 आरडब्लूयूडी नवां, हनुमानगढ़ जंक्शन के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई को अंजाम देने वाली टीम में एसआई गुरुदेव सिंह, कॉन्स्टेबल शंकरलाल, सर्वजीत और चेतनराम सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। इस अभियान में मुखबिर तंत्र और खुफिया सूचना का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। पुलिस अब आरोपी सहनवाज से गहन पूछताछ कर रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उसने यह चिट्टा कहां से प्राप्त किया था और इसे किन लोगों तक पहुंचाने की योजना थी। अधिकारियों ने बताया कि नशा तस्करों के खिलाफ यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

बीकानेर में बारिश-ओलावृष्टि से खेतों में फसलें खराब हुई

कई गांवों में 90 फीसदी नुकसान, ईसबगोल, गेहूं, चना की फसल पानी में डूबी

बीकानेर, (निसं)। यहां बारिश और ओलावृष्टि से फसल खराब हो गई और कई गांवों में 90 फीसदी तक नुकसान हुआ, वहीं ईसबगोल, गेहूं और चना की फसल प्रभावित हुई और कांग्रेस ने गिरदावरी व मुआवजे की मांग उठाई। पिछले दिनों हुई बेमौसम बारिश के बाद जिलेभर के किसानों को भारी नुकसान हुआ है और प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग की जा रही है।

बीकानेर जिले के आसपास के गांवों के साथ श्रीडूंगरगढ़, लूणकरनसर, पूगल, खाजूवाला और नोखा के गांवों में बारिश और ओलावृष्टि से खड़ी फसल को नुकसान हुआ है।

पूगल क्षेत्र में ईसबगोल की खड़ी फसल पूरी तरह खराब हो गई। वहीं अन्य गांवों में गेहूं और चना की फसल को भी नुकसान पहुंचा है। जिन किसानों ने फसल काटकर खेत में छोड़ रखी थी, उन्हें भी भारी नुकसान उठाना पड़ा। एक रात की तेज बारिश ने कई महीनों की मेहनत पर असर डाल दिया। देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग ने जिलेभर में गिरदावरी कराने की मांग की है। उनका कहना है कि हजारों किसानों की फसल खराब हुई है, ऐसे में तुरंत सर्वे होना चाहिए।

सियाग ने कहा कि जिन किसानों ने फसल बीमा कराया है, उन्हें पूरा मुआवजा मिलना चाहिए। बीमा प्रक्रिया को सरल बनाया जाए ताकि किसानों को जल्दी राहत मिल सके। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने मुआवजे की प्रक्रिया शुरू नहीं की तो आंदोलन किया जाएगा।

राज्य के मॉडल स्कूलों में कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं व सुविधाओं की दरकार

विडंबना है कि इन स्कूलों में केवल विज्ञान संकाय (मेडिकल/नॉन-मेडिकल) ही उपलब्ध है

- स्कूलों में कला एवं वाणिज्य संकाय नहीं होने से 10वीं कक्षा के बाद इन संकायों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है
- 'राज्य सरकार को विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मॉडल स्कूलों में कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं में कला एवं वाणिज्य संकाय भी शुरू करना चाहिए'

श्रीगंगानगर, (निसं)। राज्य के मॉडल कहे जाने वाले सरकारी अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में शिक्षा का ढांचा लड़खड़ाता नजर आ रहा है। राज्य में संचालित 134 स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूलों में 10वीं कक्षा के बाद विद्यार्थियों को अपना भविष्य दांव पर लगाना पड़ रहा है। विडंबना यह है कि इन स्कूलों में केवल विज्ञान संकाय (मेडिकल/नॉन-मेडिकल) ही उपलब्ध है, जिस कारण कला और वाणिज्य विषय में रुचि रखने वाले विद्यार्थियों को मजबूरन स्कूल छोड़ना पड़ रहा है। कुछ स्कूलों में सिर्फ इकोनॉमिक्स की पढ़ाई होती है। इन स्कूलों में कला एवं वाणिज्य संकाय नहीं होने से 10वीं कक्षा के बाद इन संकायों में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार श्रीगंगानगर में 2 सहित प्रदेश में 134 स्वामी विवेकानंद मॉडल स्कूल संचालित हो रहे हैं। नाम भले ही मॉडल स्कूल का हो, लेकिन कई महत्वपूर्ण व्यवस्थाएं व सुविधाओं की दरकार बनी हुई है। ऐसे में हर साल करीब 40 प्रतिशत विद्यार्थी दसवीं के बाद मॉडल स्कूलों को छोड़ रहे हैं। हैरानी की बात है कि इस ओर किसी का ध्यान तक नहीं जा रहा है। दसवीं बोर्ड कक्षा उत्तीर्ण के बाद विद्यार्थियों को सामान्यतया कला, वाणिज्य और विज्ञान संकाय में से अपनी रुचि के अनुसार विषय चुनने का अवसर मिलता है, लेकिन इन मॉडल स्कूलों में फिलहाल केवल विज्ञान संकाय ही संचालित है। ऐसे में कला या वाणिज्य विषय से पढ़ाई करना चाहने वाले विद्यालयों में प्रवेश लेना पड़ता है।

राजस्थान में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल योजना की शुरुआत मुख्य रूप से वर्ष 2014-15 में की गई थी, जिसके तहत शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों में 134 विद्यालय स्थापित किए गए। ये विद्यालय अंग्रेजी माध्यम के हैं और केंद्रीय विद्यालयों की तर्ज पर चलते हैं, जिनमें 6 से 12 तक की शिक्षा दी जाती है। सत्र 2024-25 से इन स्कूलों में प्राइमरी स्तर (कक्षा 1-5) की पढ़ाई भी शुरू की गई है। जिले में अनूपगढ़ एवं सूरतगढ़ ब्लॉक में मॉडल स्कूल संचालित हैं।

अरविंद्र सिंह, सीडीईओ, शिक्षा विभाग, श्रीगंगानगर ने बताया कि ये मॉडल स्कूल सीबीएसई बोर्ड की तर्ज पर चलते हैं। इसकी मॉनिटरिंग भी की जाती है। इन स्कूलों के लिए बजट सीधा राज्य सरकार से सीधे तौर पर आता है। हमारे सामने कभी भी इन स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के अभिभावकों ने संकायों की कमी को लेकर शिकायत तक नहीं की। इन स्कूलों के नजदीक ही आरबीएसई के महात्मा गांधी अंग्रेजी माध्यम स्कूल संचालित हो रहे हैं।

मोहर सिंह सलावद, प्रदेशाध्यक्ष, शिक्षक संघ रेसटा, राजस्थान का कहना है कि वर्तमान में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिकतर विद्यार्थी अब भी कला संकाय को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन मॉडल स्कूलों में कला संकाय नहीं होने से विद्यार्थियों को 10वीं कक्षा के बाद या तो मजबूरी में विज्ञान विषय चुनना पड़ रहा है या फिर उन्हें स्कूल छोड़ना पड़ता है। राज्य सरकार को विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मॉडल स्कूलों में कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं में कला एवं वाणिज्य संकाय भी शुरू करना चाहिए।

बीडीएस छात्रा ने आत्महत्या की

उदयपुर, (निसं)। शहर के गोवर्धन सागर में कूद कर बीडीएस की छात्रा ने आत्महत्या कर ली। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार को गोवर्धन सागर तालाब पानी में मिली अज्ञात युवती की देवली टोक निवासी मनोहरलाल ने अपनी पुत्री रिया थारवान (20) पुत्री मनोहरलाल के रूप में शिनाख्त की। इस पर एएसआई श्रवण कुमार ने मृतका का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि रिया निजी कॉलेज से बीडीएस द्वितीय वर्ष में पढाई कर रही थी एवं शुक्रवार सवेरे देवली टोंक से ट्रेन में बैठ कर उदयपुर के लिए रवाना हुई थी। सायं उसके पानी में डूबने की सूचना मिली। आत्महत्या करने के कारणों का पता नहीं चल पाया।

विद्युत करंट से युवक की मौत

छबड़ा, (निसं)। बावड़ीखेड़ा गांव में कृषि कार्य के दौरान करंट लगने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया। पुलिस के अनुसार बावड़ीखेड़ा निवासी नरेंद्र शनिवार को कृषि कार्य करते समय करंट की चपेट में आ गया। परिजन उसे तत्काल छबड़ा चिकित्सालय ले गए, जहां जांच उपरांत चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कोटपूतली में ऊंटों की तस्करी करते दो आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त वाहन व 27 ऊंट-ऊंटनी बरामद किये

कोटपूतली, (निसं)। जयपुर रेंज आईजी राहुल प्रकाश व जिला पुलिस अधीक्षक सतवीर सिंह के निर्देशन में एएसपी नाजिम अली खान व डीएसपी राजेन्द्र कुमार बुरडक के सुपरविजन में सरूण्ड थानाधिकारी यशपाल सिंह के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम ने अवैध गतिविधियां पर अंकुश लगाने हेतु मुखबीर से मिली एक ट्रक में ऊंटों की तस्करी की सूचना पर नाकाबंदी की।

इस दौरान एक ट्रक तेज गति से नारेहड़ा से कोटपूतली की तरफ आता हुआ दिखाई दिया, जिसको रूकवाया गया तो ट्रक में बैठे दो जने भागने की कोशिश करने लगे, जिस पर दोनों को पकड़ा गया। ट्रक की तलाशी ली गई तो उसमें 27 ऊंट-ऊंटनी बांध रखे थे। जिस पर चालक सीट पर बैठे व्यक्ति का नाम पूछा तो उसने अपना नाम तालीम (23) पुत्र निजर व दूसरे ने अपना नाम कामील (27) पुत्र कल्लू होना बताया। दोनों को बिना लाईसेंस व अनुज्ञा पत्र के अवैध ऊंटों की तस्करी करने पर गिरफ्तार किया गया। वहीं अवैध तस्करी में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया गया।

मांशी बांध में युवक का शव तैरता मिला

टोंक, (निसं)। निवाई सदर थाना क्षेत्र के जोधपुरिया गांव स्थित मांशी बांध में शनिवार को एक युवक का शव पानी में तैरता हुआ मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। सुबह जब भगवान देवनारायण मंदिर के पीछे स्थित घाट पर स्नान के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं की नजर जैसे ही पानी में तैर रहे शव पर पड़ी, मौके पर अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण वहां एकत्रित हो गए। बाद में सूचना पर मौके पर पंहुची निवाई सदर थाना पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला तथा शव को एंबुलेंस से निवाई उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। पुलिस जांच के दौरान मृतक की पहचान केशव गुर्जर उर्फ भौंणा पुत्र समय सिंह, निवासी मांचड़ी पुलिस थाना नादौती जिला करौली के रूप में हुई है।

भूमि संपदा के अध्ययन पर आधारित "कोटा लैंड बैंक" पुस्तक का विमोचन

- कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के अंतर्गत उपलब्ध भूमि संपदा के व्यापक अध्ययन पर आधारित है पुस्तक

कोटा, (निसं)। कोटा विकास प्राधिकरण (केडीए) के अंतर्गत उपलब्ध भूमि संपदा के व्यापक अध्ययन पर आधारित पुस्तक कोटा लैंड बैंक विश्लेषण और अवसर का विमोचन राजस्थान रेडक्रॉस सोसायटी के प्रदेश अध्यक्ष, कोटा नागरिक सहकारी बैंक के अध्यक्ष तथा माहेश्वरी समाज कोटा के अध्यक्ष राजेश बिरला द्वारा किया गया।

इस अवसर पर सूचना एवं जनसंपर्क कार्यालय के देवेन्द्र सिंह चौहान, अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के जिला कोटा महामंत्री रमेशचंद्र गोयल, राजीव गांधी नगर ऑक्सीजोन विकास समिति के अध्यक्ष प्रतीक गोयल, महासचिव हिम्मत सिंह 'बालूपा', सह कोषाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, युवा उद्यमी अनुपम गुप्ता, उद्यमी विशाल वर्मा, राधेश्याम मित्तल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस पुस्तक का लेखन एवं संपादन केडीए के राजस्व सलाहकार परमानन्द गोयल द्वारा किया गया है। यह उनकी आठवीं पुस्तक है। इससे पूर्व वे संसद विजिट-यादें, पांच साल बेमिसाल, कोटा टूरिज्म-विजिट कोटा यादगार कोटा, विचारों की उड़ान तथा हाड़ौती गौरव सम्मान 2026 जैसी पुस्तकों का लेखन एवं संपादन कर चुके हैं। पुस्तक में केडीए के अंतर्गत उपलब्ध रिक्त भूखण्डों एवं भूमि संपदा का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है। इसमें न केवल भूखण्डों का विवरण दिया गया है, बल्कि उनके सर्वोत्तम उपयोग, आवंटन, पुनः आवंटन तथा नीलामी से संबंधित व्यावहारिक सुझाव भी शामिल किए गए हैं। साथ ही, आमजन को जागरूक करने हेतु केस स्टडी एवं दृष्टांत भी दिए गए हैं। पुस्तक में भूमि उपयोग से जुड़े नवाचारों और संभावनाओं को रेखांकित किया गया है। इसके अतिरिक्त, जन सामान्य के लिए उपयोगी एफएक्यू (फ्रीक्वेंटली एस्केड क्वेशंस-अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न) भी शामिल किए गए हैं, जिससे भूखण्ड क्रय, आवंटन या पुनर्विक्रय से संबंधित निर्णय लेने में सहायता मिल सके।

लेखक परमानन्द गोयल के अनुसार, पुस्तक में लगभग आठ हजार से अधिक भूखण्डों से संबंधित सूचनाओं का संकलन किया गया है, जिनकी अनुमानित कीमत करीब 2900 करोड़ रुपये आंकी गई है। उन्होंने बताया कि यदि इन भूखण्डों का सुनियोजित उपयोग, विक्रय एवं नीलामी की प्रक्रिया अपनाई जाए, तो आगामी तीन वर्षों में लगभग 1000 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया जा सकता है, जिससे जन आकांक्षाओं की पूर्ति संभव होगी।

मण्डावा में गणगौर की शाही सवारी लवाजमे के साथ निकाली

गणगौर की शाही सवारी का पहली बार लाइव प्रसारण हुआ

मंडावा के गढ़ परिसर में गणगौर स्नेह मिलन समारोह में शिर्वाजुन सिंह, अनिरुद्ध सिंह व अंगद देव सिंह आदि सहित कई लोगों ने परंपराओं के तहत शाही सवारी में भाग लिया।

- सजी-धजी पालकियों और पारंपरिक लवाजमे ने बढ़ाया आकर्षण

झुंझुनूं/मण्डावा, (निसं)। राजस्थान की समृद्ध लोक परंपरा, आस्था और सांस्कृतिक वैभव का प्रतीक गणगौर महोत्सव इस वर्ष शेखावाटी की पर्यटन नगरी मण्डावा में अभूतपूर्व भव्यता और नवीन प्रयोगों के साथ मनाया गया। ऐतिहासिक हवेलियों और रंग-बिरंगी गलियों से सजे इस कस्बे में इस बार का आयोजन न केवल परंपराओं का निर्वहन था, बल्कि आधुनिक तकनीक के साथ उसका अनूठा समागम भी देखने को मिला। राज परिवार, मण्डावा के मार्गदर्शन में आयोजित इस महोत्सव को राष्ट्रीय ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। पहली बार गणगौर की शाही सवारी का लाइव प्रसारण किया गया, जिससे विदेशों में बसे भारतीय और राजस्थानी समुदाय भी इस भव्य आयोजन से जुड़ सके। राजस्थान फाउंडेशन एवं पर्यटन विभाग के आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर हुए इस प्रसारण ने मण्डावा की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक मंच पर पहुंचाया।

पूरे शहर में उत्सव का माहौल देखते ही बनता था। लोक वाद्य यंत्रों की गूंज, पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकार और श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़ ने वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। इस वर्ष शोभायात्रा को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए पारंपरिक लवाजमे के साथ-साथ सजी-धजी पालकियों का नया समावेश किया गया, जो दर्शकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। गणगौर महोत्सव केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि राजस्थान की लोक संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का सशक्त माध्यम है। यह पर्व विशेष रूप से महिलाओं की श्रद्धा, सौभाग्य और भगवान शिव-पार्वती के प्रति समर्पण को दर्शाता है।

उल्लेखनीय है कि इस अवसर पर नवविवाहिताओं ने परंपरा अनुसार मिट्टी से निर्मित गणगौर और ईसर की प्रतिमाओं को गढ़ के समीप स्थित कुएं में विसर्जित कर सुख-समृद्धि की कामना की और मेले का आनंद लिया। इस बार का आयोजन मण्डावा को एक बार फिर सांस्कृतिक पर्यटन के नक्शे पर मजबूती से स्थापित करता नजर आया, जहां परंपरा और आधुनिकता का संगम नई पहचान गढ़ रहा है। मंडावा के गढ़ परिसर में शनिवार को गणगौर स्नेह मिलन समारोह में राज परिवार के शिर्वाजुन सिंह, अनिरुद्ध सिंह व अंगद देव सिंह ने परंपराओं के तहत शाही सवारी में भाग लिया। जिला कलेक्टर अरुण गर्ग ने लोगों को पर्व की बधाइयां दी। भाजपा नेता इंजी.प्यारेलाल ढूकिया, संजय चोबदार, राज कुमार सैनी, मनोज भादूपोता, पूर्व प्रधान गिरधारीलाल, पूर्व सरपंच गिरवर सिंह चूडी, महिपाल तौलियासर, शिवचरण गाड़ोदिया, पूर्व नपा अध्यक्ष राधेश्याम सैनी, महेंद्र चंदवा, वाहिदपुरा सरपंच एसपी दूलड़, गिरवर सिंह, महिपाल सिंह तोलियासर, चंद्रपाल सिंह पाटोदा, राजेश बबाल, गोविंद जोशी, दिनेश धाभाई, राज कुमार सैनी, असगर रंगरेज, इब्राहिम रंगरेज, पार्षद मनोज भादुपोता, रवि चंदेलिया, जमील रंगरेज, संजय घुघवाल सहित अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा गणमान्य लोगों ने हिस्सा लिया।

किसान ने फांसी लगाई

उदयपुर, (निसं)। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र में किसान ने फांसी लगा आत्महत्या कर ली। शहर के सुखेर थाना क्षेत्र रामा गांव निवासी वरदीचंद पुत्र टीला डांगी ने शुक्रवार सांय अपने मकान में फांसी लगा ली। इसको देख परिजन उसे फंदे से निचे उतार कर चिकित्सालय ले गए। जहां उसे चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

गणगौर का पर्व उत्साह से मनाया

छबड़ा, (निसं)। गणगौर पर्व यहां पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही महिलाओं और युवतियों में इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखा गया।

पर्व के अवसर पर महिलाओं और युवतियों ने पारंपरिक परिधान धारण कर माता गौरी और भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने परिवार की सुख-समृद्धि, अखंड सौभाग्य और खुशहाली की कामना की। कई स्थानों पर महिलाओं ने समूह में पारंपरिक लोकगीत गाए और गणगौर माता की आराधना की। हाथों में कलश और सिर पर गणगौर की प्रतिमाएं सजाए गीत गाती हुई महिलाएं शोभायात्रा के रूप में निकली। ग्रामीण क्षेत्रों में भी गणगौर पर्व की विशेष रौनक देखने को मिली। युवतियों ने 16 दिनों तक व्रत रखकर माता गौरी की पूजा की। पर्व के अंतिम दिन उन्होंने विधि-विधान से पूजा संपन्न की। इस अवसर पर कई स्थानों पर सामूहिक पूजा-अर्चना और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

छबड़ा के खेल मैदान में 38 लाख की लागत से लगेंगे 65 विद्युत खम्बे

- शहरवासियों को रात्रि के समय में वॉक की सुविधा मिल सकेगी

छबड़ा, (निसं)। यहां का खेल मैदान अब कुछ ही दिनों में रोशनी से सरोबार हो उठेगा। जिससे शाम को वीरान दिखने वाले मैदान पर खेल प्रतिभाओं की चहल-कदमी बढ़नी शुरू हो जाएगी। अब खिलाड़ी रात्रि में भी अभ्यास कर सकेंगे। यहां नगर पालिका द्वारा लगभग 38 लाख रुपए की लागत से 65 विद्युत खंबे लगाए जा रहे है। इससे खेल प्रेमियों में हर्ष व्याप्त है। खेल प्रेमियों ने विधायक प्रतापसिंह सिंघवी का आभार व्यक्त किया। ईओ सन्दीप गहलोत के अनुसार मैदान में सुविधाओं के अभाव के कारण स्थानीय खिलाड़ियों को अभ्यास के लिए काफी परेशानी झेलनी पड़ रही थी। लेकिन यहां विधायक सिंघवी के अथक प्रयासों के खेल प्रेमियों व कस्बेवासियों को सुविधायुक्त खेल मैदान मिल सकेगा। यहां खेल प्रेमियों के भावनाओ के अनुसार सुविधाएं विकसित की जाएंगी। सुविधाओं की कमी के कारण खिलाड़ियों के सामने अभ्यास की समस्या थी, जो अब दूर हो सकेगी। वहीं खेल मैदान के विकास से बेहतर अभ्यास स्थल मिलेगा। इसी क्रम में यहां नगर पालिका द्वारा 38 लाख रुपए की लागत से 65 विद्युत खंबे लगवाए जा रहे हैं। जिससे खेल मैदान रात्रि के समय में भी जगमग रहेगा और शहरवासियों को रात्रि के समय में वॉक की सुविधा मिल सकेगी।

मृतक की पत्नी को क्लेम मिला

श्रीगंगानगर, (निसं)। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एसएसबी रोड स्थित शाखा ने एक बार फिर बैंकिंग सेवाओं के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। बैंक की ओर से संचालित दुर्घटना बीमा (पीएआई) योजना के अंतर्गत, एक दिवंगत ग्राहक के परिवार को 20 लाख की बीमा राशि का चेक सौंपकर आर्थिक संबल प्रदान किया गया।

शाखा प्रबंधक अनिकेत मिड्ढा ने बताया कि बैंक के ग्राहक अशोक कुमार ने इस योजना के तहत मात्र 1000 के प्रीमियम पर अपना बीमा करवाया था। दुर्भाग्यवश, एक सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया। बीमा शर्तों के अनुसार, बैंक ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दावे की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान मृतक की नॉमिनी और उनकी पत्नी शोभा देवी को बीस लाख रुपए का चेक प्रदान किया गया।

शाही ठाठ-बाट से निकली गणगौर माता की सवारी

सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और पूर्व राजपरिवार की महिलाओं ने गणगौर माता का विधिवत पूजन किया

जयपुर। जयपुर की विश्व प्रसिद्ध गणगौर की शोभायात्रा को देखने के लिए शनिवार को जयपुरवासी उमड़ पड़े। चारदीवारी पूरी तरह गणगौर और ईसर के रंग में रंग गई। पहली बार 210 लोक कलाकारों के अलग-अलग समूह ने लोक कला की ऐसी रंगत बिखेरी कि दर्शक निहारते ही रहे। वहीं 32 पारंपरिक लवाजमों के भव्य संयोजन ने गणगौर माता की शाही सवारी में चार चांद लगा दिए।

- बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी के साथ यह महोत्सव अपने अंतिम चरण में प्रवेश करेगा
- सजीधजी झांकियों व पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित कलाकारों ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया

पर्यटन विभाग के उपनिदेशक उपेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि लोक कला और परंपरा की जुगलबंदी ने शहरवासियों और पर्यटकों को आनंदित कर दिया। सिटी पैलेस में उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी और पूर्व राजपरिवार की महिलाओं ने गणगौर माता का विधिवत पूजन किया। इसके बाद जनानी ड्योढ़ी से शाही सवारी में पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज, लोक कलाकारों की रंगारंग प्रस्तुतियों और बैंड की स्वर लहरियों के साथ लाल वस्त्रधारी कहार माता को कंधों पर उठाकर त्रिपोलिया गेट से चौड़ा रास्ता पहुंचे।

शाही परंपरा के अनुसार गणगौर माता चलायमान सिंहासन पर विराजमान रही।

शाही परंपरा के अनुसार गणगौर माता चलायमान सिंहासन पर विराजमान रही। यहां गणगौर माता के दर्शन के लिए काफी देर से खड़े श्रद्धालुओं ने जयकारों से वातावरण को गूंजायमान कर दिया। सजी-धजी झांकियों और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित कलाकारों ने राजस्थान की समृद्ध लोक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और दर्शक मार्ग के दोनों ओर एकत्र होकर माता के दर्शन करते नजर आए।

गणगौर माता का श्रृंगार आकर्षण का केन्द्र रहा। माता को लगभग 1.5 किलो के मुकुट, 150 ग्राम के मांग टीका, 900 ग्राम के चंपाकली हार सहित पारंपरिक शाही आभूषणों से अलंकृत किया गया। इसके साथ ही बाजूबंद, हथफूल, कंठी और कमरबंध जैसे आभूषणों ने माता के स्वरूप को और अधिक दिव्य एवं भव्य बना दिया। रत्नों से जड़े इन आभूषणों ने राजसी परंपरा और कारीगरी की उत्कृष्ट झलक प्रस्तुत की।

यह शोभायात्रा सिटी पैलेस की जनानी ड्योढ़ी से प्रारंभ होकर छोटी चौपड़ पहुंची तो उसकी भव्यता देखते ही बन रही थी। लवाजमे का एक छोर जहां छोटी चौपड़ था तो दूसरा छोर त्रिपोलिया गेट था। पारंपरिक वेशभूषा में महिलाओं ने कलश धारण कर मंगल गीतों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर गणगौर की सवारी का स्वागत किया गया। तालकटोरा में गणगौर को पानी पिलाया गया। रविवार को बूढ़ी गणगौर की सवारी निकाली जाएगी।

32 पारंपरिक लवाजमों सुसज्जित भव्य सवारी:- इस बार 32 पारंपरिक लवाजमों की भव्य मौजूदगी ने सवारी को और भी आकर्षक बना दिया। सुसज्जित हाथी, ऊंट दल, घोड़े, विक्टोरिया कैरिज और विभिन्न बैंडों की धुनों के बीच पहली बार शामिल शंकर बैंड ने खास आकर्षण पैदा किया।

सवारी के गणगौरी बाजार पहुंचते ही पूरा इलाका मानो लोक उत्सव के चरम पर नजर आया।

महोत्सव का एक महत्वपूर्ण पहलू इसका लाइव प्रसारण भी रहा, जिसके माध्यम से देश-विदेश में बसे राजस्थानियों ने इस भव्य आयोजन को रियल टाइम में देखा।

रविवार को निकलेगी बूढ़ी गणगौर की सवारी:- अब रविवार को बूढ़ी गणगौर की शाही सवारी के साथ यह महोत्सव अपने अंतिम चरण में प्रवेश करेगा।

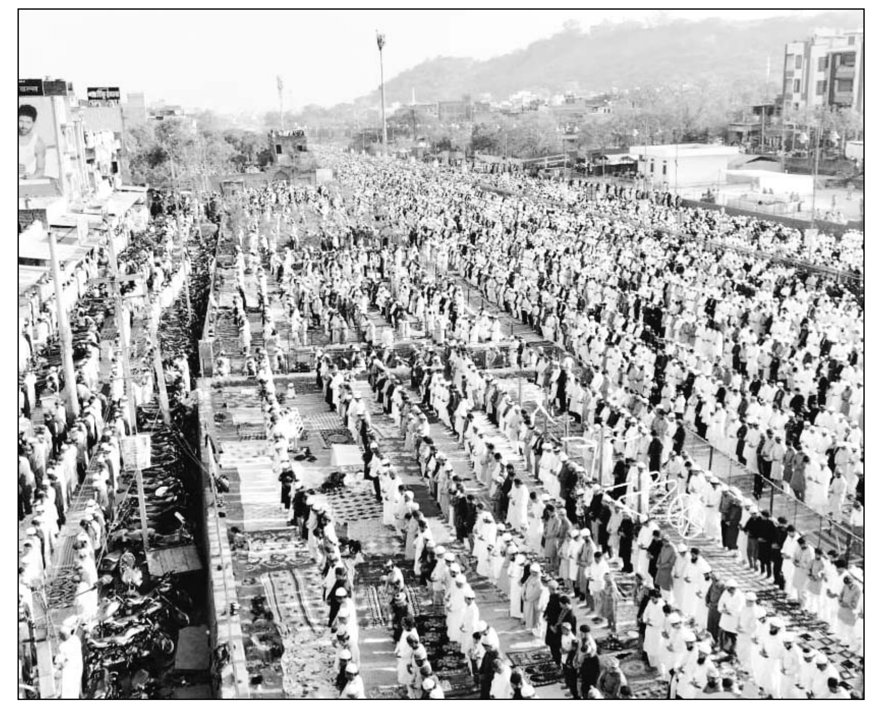

ईद-उल-फितर पर दिल्ली रोड स्थित ईदगाह पर ईद की नमाज अता करते अकीदतमंद।

दिव्यांग छात्रा को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने के आदेश

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने नीट यूजी-2025 के दिव्यांग कोटे के मेरिट में आई छात्रा को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने को कहा है।

अदालत ने कहा कि यदि इस सत्र में सीट खाली नहीं है तो उसे साल 2026 के पाठ्यक्रम में सीट आवंटित की जाए। अदालत ने माना की छात्रा वर्तमान में एम्स, दिल्ली में प्रवेश के लिए पात्र है। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश वैष्णवी अग्रवाल की ओर से दायर अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

अपील में अधिवक्ता टीएन शर्मा ने अदालत को बताया कि अपीलार्थी की करंट लगने से दायें हाथ ही दो अंगुलियों में स्थाई दिव्यांगता आ गई थी। ऐसे में उसने दिव्यांग कोटे में नीट यूजी-2025 में आवेदन किया। उसने इस वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, लेकिन प्रवेश के समय एसएमएस अस्पताल की मेडिकल कमेटी ने उसे यह कहते हुए अपात्र घोषित कर दिया कि वह दिव्यांगता के कारण मेडिकल संबंधी काम नहीं कर सकती है।

- अपीलार्थी की करंट लगने से दायें हाथ ही दो अंगुलियों में स्थाई दिव्यांगता आ गई ऐसे में उसने दिव्यांग कोटे में नीट यूजी-2025 में उसने इस वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया, लेकिन मेडिकल कमेटी ने उसे अपात्र घोषित कर दिया था

वहीं अदालती आदेश से दिल्ली के सरफदगंज अस्पताल के मेडिकल बोर्ड ने अपीलार्थी का परीक्षण किया। इसके बाद बोर्ड की ओर से भेजी रिपोर्ट में अपीलार्थी को प्रवेश के पात्र माना गया। इस पर अदालत ने अपीलार्थी को एमबीबीएस पाठ्यक्रम में प्रवेश देने के आदेश दिए हैं।

फसलों को हुए नुकसान पर लिया संज्ञान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों को हुए नुकसान पर संज्ञान लेकर शुक्रवार देर रात सभी जिला कलक्टर्स को सर्वे करवाकर शीघ्र रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसानों की हर परिस्थिति में सहायता के लिए पूर्ण संवेदनशीलता के साथ तत्पर है।मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि किसानों की पीड़ा हमारी पीड़ा है। राजस्थान की समृद्धि का आधार हमारे अन्नदाता भाई-बहन हैं। संकट की इस घड़ी में राज्य सरकार पूर्ण उत्तरदायित्व के साथ किसान भाइयों के साथ दृढ़तापूर्वक खड़ी है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी जिला कलक्टर्स को सर्वे करवाकर शीघ्र रिपोर्ट भेजने के दिए निर्देश

महिलाओं ने की ईसर गणगौर की पारम्पारिक पूजा

निवाई। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्र में शनिवार को गणगौर पर्व पर नवविवाहिताओं व कुंवारी कन्याओं ने भारी उत्साह के साथ मंदिरों व घरों में ईसर गणगौर की परम्पारिक पूजा-अर्चना की। राजस्थानी संस्कृति को गौरवमय बनाते हुए इस पावन पर्व पर भी आधुनिकता हावी रही लेकिन परंपरा का भी खास ध्यान रखा गया। प्रतिदिन महिलाओं ने शिव पार्वती स्वरूप ईसर गणगौर की प्रतिमाओं की आस्था के साथ पूजा की।

महिलाएं व कन्याएं सामूहिक होकर गणगौर के गीत गाती हुई मंदिरों में पहुंचकर पूजा की। शनिवार को सुमन गुप्ता, अनिता गुप्ता, मोनिका, राधा, अनु, रश्मि, मेना, दीपा व सोनिया सहित कई महिलाओं व कन्याओं ने गणगौर का पूजन किया। इस दौरान घरों में गौर गौर गोमती, ईसर पूजे पार्वती, पार्वती का आल्या गौल्या, सोना का टमका दे, बारहा रानी ब्रत करें, आरस आयों बारस आयो, गौर गौर माता गणगौर, गौर गौर गोमती व माता खोल खिडगी सहित कई गीतों की गूंज सुनाई दी। होलिका दहन की रज से प्रतिष्ठापित गण की पूजा से शुरू होने वाले इस 16 दिवसीय गणगौर पूजन कार्यक्रम में शीतला माता पूजन के साथ महिलाओं ने अभिमंत्रित गौरी माताजी का भी पूजन किया। ईसर गणगौर की झुहारा, शुद्ध जल, फूल, रोली-मोली व चावल से पूजा करके कई अन्य मिष्टान के पकवानों के साथ गौरी की पूजा की। 16 दिवसीय त्योहार को लेकर लगातार रोजाना कन्याओं एवं महिलाओं द्वारा सामूहिक गीत गाए। गणगौर का अंजूणा विवाहिताओं द्वारा किया गया जिसमें मातृ शक्तियों को आदर के साथ सुहाग व 16 शृंगार की वस्तुएं भेंट कर जलपान करवाया गया। महिलाओं गणगौर की पूजा-अर्चना करके सुहाग की लम्बी आयु व सुख समृद्धि की कामनाएं की।

महिलाओं ने ईसर-गौरा पूजन किया

जयपुर। गुलाबी नगरी शनिवार को सुहाग,श्रद्धा और लोक संस्कृति के अनूठे संगम से सराबोर नजर आई। चैत्र मास की रंगत के बीच ईसर-गणगौर का उल्लास अपने चरम पर रहा। 16 श्रृंगार में सजी धजी महिलाओं ने जब पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर बाग-बगीचों से दूब और पुष्पों का अर्जन किया तो समूचा वातावरण गोर-गोर गोमती, ईसर पूजे पार्वती... के मधुर लोकगीतों से गुंजायमान हो उठा। आस्था और श्रृंगार के इस महापर्व पर सुहागिन महिलाओं ने ईसर-गणगौर के समक्ष विधिवत पूजन कर पति की दीर्घायु और अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। वहीं कुंवारी कन्याओं ने मनचाहे वर की कामना के साथ माता गौरी की आराधना की। दूब,जल और सुहाग सामग्री अर्पित करते हुए पारंपरिक गीतों के साथ गणगौर माता का अभिषेक किया गया। घर-घर में स्थापित ईसर-गौरा की प्रतिमाओं के समक्ष दीप-धूप और नैवेद्य के साथ श्रद्धा की महक बिखरी रही। उद्यापन करने वाली महिलाओं ने 16 सुहागिनों को भोजन कराकर और उपहार भेंट कर रीत निभाई।जयपुर में गणगौर केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आमेर रियासत काल से चली आ रही एक भव्य ऐतिहासिक विरासत है। जयपुर के सोडाला की रहने वाली पूजा सैनी ने बताया कि होली के अगले दिन धूलंडी से शुरू होने वाला यह 16 दिवसीय पर्व हर दिन नए उत्साह के साथ मनाया जाता है। लोक परंपरा में ईसर और गणगौर को भगवान शिव और माता पार्वती का स्वरूप माना जाता है, जिनका पूजन दांपत्य सुख और प्रेम का प्रतीक है।

आईपीएस ज्येष्ठा मैत्रेयी ने संभाली सवाई माधोपुर की कमान

जयपुर। राज्य सरकार के आदेशानुसार 2018 बैच की तेज तर्रार आईपीएस अधिकारी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने शनिवार को सवाई माधोपुर जिले के पुलिस अधीक्षक (एसपी) पद का विधिवत पदभार ग्रहण किया। पदभार संभालते ही उन्होंने स्पष्ट किया कि राजस्थान पुलिस की प्राथमिकताएं ही सवाई माधोपुर पुलिस की प्राथमिकताएं रहेंगी।

उन्होंने कहा कि टाइगर अभयारण्य के लिए प्रसिद्ध सवाई माधोपुर में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के साथ-साथ पर्यटकों की सुरक्षा, महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा तथा नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष फोकस रहेगा।

मध्य प्रदेश के गुना जिले में जन्मी ज्येष्ठा मैत्रेयी ने अपने जीवन में संस्कार, अनुशासन और मेहनत को आधार बनाया। एक ही प्रयास में आईपीएस बनने वाली ज्येष्ठा आज देशभर के प्रतियोगी छात्रों के लिए प्रेरणा बन चुकी हैं। वे दिल्ली सहित देश के विभिन्न मंचों पर युवाओं को सिविल सेवा की तैयारी के लिए मार्गदर्शन देती रही हैं। उनके व्याख्यान केवल परीक्षा तक सीमित नहीं होते, बल्कि जीवन मूल्यों, संघर्ष और आत्मविश्वास का संदेश भी देते हैं। जिले में भी युवाओं व विशेषकर महिलाओं व बच्चियों को मार्गदर्शन प्रदान करने की उनकी मंशा है।

सीआईडी सीबी से स्थानांतरित होकर आई ज्येष्ठा मैत्रेयी अपराध नियंत्रण, साइबर क्राइम पर अंकुश, महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। गरीब और जरूरतमंदों की मदद करना उनके व्यक्तित्व की विशेष पहचान है, जो उन्हें एक संवेदनशील पुलिस अधिकारी के रूप में अलग पहचान दिलाता है।

पदभार ग्रहण के बाद ज्येष्ठा मैत्रेयी ने कहा कि आमजन से सीधा संवाद स्थापित कर उनकी अपेक्षाओं को समझना और पुलिस तंत्र को मजबूती देना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने हर जगह पुलिस की मौजूदगी के माध्यम से पुलिस और जनता के बीच विश्वास मजबूत करने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक पुलिसकर्मी को संवेदनशील और जवाबदेह बनाकर त्वरित एवं भरोसेमंद सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से महिला घायल

जयपुर। आमेर थाना क्षेत्र के सागर रोड पर शनिवार को तेज रफ्तार कार की टक्कर से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए घायल को अस्पताल पहुंचाया और भागने का प्रयास कर रहे चालक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस के अनुसार कार तेज गति में थी, जिसके कारण चालक नियंत्रण खो बैठा और सड़क किनारे जा रही महिला को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि महिला के हाथ-पैरों में गंभीर चोटें आई हैं। घायल महिला को पहले आमेर के राजकीय अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए सवाई मानसिंह अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां उसका उपचार जारी है। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि चालक नशे की हालत में वाहन चला रहा था। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर कार जब्त कर ली है और मेडिकल जांच सहित मामले की जांच शुरू कर दी है।ट्रैफिक नियमों की अनदेखी के कारण आए दिन हादसे होते रहते हैं।

एक करोड़ की फिरौती के लिए आईटी कंपनी के मालिकों का अपहरण

जयपुर। मुहाना थाना क्षेत्र में आईटी कंपनी के दो मालिकों के अपहरण का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बदमाशों ने यूएसडीटी (क्रिप्टो) में निवेश के नाम पर बुलाकर दोनों को अपहरण कर लिया और परिजनों से 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी। हालांकि पुलिस की मुस्तैदी के चलते करीब ग्यारह घंटे बाद बदमाश दोनों को छोड़कर फरार हो गए।

थानाधिकारी गुर भूपेन्द्र सिंह के अनुसार जगतपुरा निवासी राहुल और दिनेश मानसरोवर स्थित इस्कॉन मंदिर के पास आईटी कंपनी संचालित करते हैं। 19 मार्च की शाम उन्हें कॉल कर यूएसडीटी में निवेश का झांसा दिया गया और मिलने के लिए बुलाया गया। शाम करीब 7 बजे पहुंचते ही 6-7 नकाबपोश बदमाशों ने दोनों को कार में बैठाकर अगवा कर लिया।

बदमाशों ने अपहृत युवकों के मोबाइल से परिजनों को कॉल कर 1 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी और पैसे लेकर गोनेर बुलाया। सूचना मिलते ही पुलिस ने कंट्रोल रूम के जरिए सक्रियता दिखाते हुए बदमाशों का पीछा शुरू किया। आरोपी गोनेर, हिंगोनिया गौशाला, इंदिरा गांधी नगर, खो नागोरियान, कानोता और बस्सी होते हुए नायला व जामडोली के जंगलों में घूमते रहे।

- एक करोड़ की फिरौती मांग कर ग्यारह घंटे बाद छोड़ा
- यूएसडीटी निवेश के झांसे में बुलाया
- पुलिस दबाव में गलता के जंगलों में छोड़ भागे बदमाश

लगातार पुलिस दबाव के चलते बदमाश शुक्रवार सुबह करीब 5:30 बजे दोनों को गलता के जंगल में कार सहित छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने मौके से कार जब्त कर ली है और एफएसएल टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं।

9000 वर्ग मीटर जमीन का केस हारा जेडीए

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने टोंक रोड पर एयरपोर्ट प्लाजा स्कीम के पास स्थित 9000 वर्ग मीटर जमीन के मामले में जेडीए की विशेष अपील को खारिज कर दिया है। वहीं खंडपीठ ने एकलपीठ के 6 अगस्त 2009 के आदेश में दखल से इनकार करते हुए उसे बरकरार रखा है।

अदालत ने जेडीए को निर्देश दिया है कि वह राज्य सरकार के 12 मई 2003 व 19 मई 2003 के आदेश को तत्काल लागू करते प्रार्थी साई दर्शन होटल्स एंड मोटल्स के पक्ष में 9000 वर्ग मीटर जमीन का आवंटन आदेश जारी करे। एक्टिंग सीजे संजीव प्रकाश शर्मा व जस्टिस संगीता शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश जेडीए की अपील पर दिए।

खंडपीठ ने कहा कि एकलपीठ ने प्रार्थी को 15 फीसदी विकसित जमीन प्राप्त करने का अधिकारी माना है जो सही है। खंडपीठ ने माना कि राज्य सरकार अपने ही निर्णयों से पीछे नहीं हट सकती, खासकर तब जब संबंधित पक्ष ने उन पर भरोसा कर अपने मुकदमे वापस ले लिए हो। प्रार्थी कंपनी ने अपनी तरफ से सभी मुकदमे वापस लेकर शर्तें पूरी कर दी थी। ऐसे में उन्हें 15 प्रतिशत विकसित भूमि देना न्यायसंगत होगा। जेडीए की ओर से दलील दी गई कि इस जमीन का आवंटन अवैध तरीके से हुआ है और उसे आर्थिक नुकसान होगा। वहीं जेडीए ने इस मामले में भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया, लेकिन खंडपीठ ने जेडीए की दलीलों को अस्वीकार करते हुए कहा कि इस जमीन के मामले में राज्य सरकार की नीति के अनुरूप आदेश पारित किए गए थे और वे वैध हैं। ऐसे में जेडीए की अपील खारिज किए जाने योग्य है।

- हाईकोर्ट ने आवंटन पत्र जारी करने के दिए निर्देश

खंडपीठ ने मामले में टिप्पणी करते हुए कहा कि कई सालों से इस जमीन का उपयोग जेडीए कर रहा है, जबकि मूल मालिकों या उनके उत्तराधिकारियों को उचित मुआवजा तक नहीं मिला। ऐसे में केवल कोर्ट में पैसा जमा कराना भुगतान नहीं माना जाएगा।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले दंत चिकित्सकों का सम्मान

जयपुर। इंडियन डेंटल एसोसिएशन जयपुर ग्रेटर ब्रांच द्वारा वर्ल्ड ओरल हेल्थ डे 20 मार्च के अवसर पर इस वर्ष की थीम स्वस्थ मुंह,स्वस्थ जीवन पर होटल फोर पॉइंट्स शेरेटोंन में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे इस थीम को लेकर दंत स्वास्थ्य पर चर्चा की गई साथ ही दंत शल्य क्रिया में हुए नवाचारो के बारे में कार्यक्रम में उपस्थित शहर के दंत चिकित्सकों को जानकारी दी गई । इस अवसर पर दंत चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दंत चिकित्सकों का सम्मान किया गया।राजकीय दंत महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ प्रदीप जैन व डॉ विनय कुमार,डीन डेंटिस्ट्री डॉ मनोज अग्रवाल ,राजस्थान डेंटल कौंसिल के अध्यक्ष डॉ एच एल गुप्ता,राजकीय जयपुरिया अस्पताल के दंत विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ हरीश भारद्वाज ,वरिष्ठ दंत चिकित्सक डॉ अभिलाषा वालिया व डॉ सीमा सोनी का प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया । इस अवसर पर डॉ पूजा गुप्ता ,डॉ ,हिमांशु शर्मा ,डॉ गोविंद ,डॉ अंकिता बंसल व डॉ सारिका शेखावत का भी सम्मान किया गया । इस अवसर पर दंत चिकित्सकों द्वारा अपने कार्यक्षेत्र में आने वाले चैलेंज के बारे में पैनल डिस्कशन किया गया।

वन राज्य मंत्री ने वन्यजीवों के त्वरित बचाव के लिए रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाई

एक पेड़ मां के नाम अभियान पर आधारित 'कॉफी टेबल' बुक का विमोचन किया।

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय वन दिवस के अवसर पर राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा के मुख्य आतिथ्य में किया गया। इस वर्ष कार्यक्रम की थीम वन एवं अर्थव्यवस्था रखी गई।

कार्यक्रम के दौरान वन एवं वन्यजीव संरक्षण को मजबूत करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की गईं। घायल वन्यजीवों के त्वरित बचाव के लिए अत्याधुनिक उपकरणों से लैस 5 रेस्क्यू वाहनों को हरी झंडी दिखाई गई। साथ ही योजना के अंतर्गत खरीदी गई 460 मोटरसाइकिलों को भी फील्ड स्टाफ के लिए रवाना किया गया, जिससे दुर्गम क्षेत्रों में निगरानी कार्य सुगम होगा।

इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान पर आधारित कॉफी टेबल बुक का विमोचन भी किया गया। वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के लिए वनमित्रों को पेट्रोलिंग किट वितरित की गई।

जलवायु परिवर्तन से निपटने हेतु परियोजना के अंतर्गत राजीविका के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिससे 600 गांवों के 1200 स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर मिलेंगे।

कार्यक्रम में डिजिटल प्लेटफॉर्म के नए मॉड्यूल लॉन्च किए गए, जो वन्यजीव आवास निगरानी और कार्बन क्रेडिट प्रबंधन में सहायक होंगे। साथ ही की नई वेबसाइट का भी लोकार्पण किया गया, जिससे पर्यावरण स्वीकृति प्रक्रिया अधिक पारदर्शी बनेगी।

कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले वनकर्मियों को सम्मानित किया गया। मंत्री ने बताया कि 'हरियालो राजस्थान' योजना के तहत पिछले दो वर्षों में 19 करोड़ से अधिक पौधारोपण किया गया है।

यह आयोजन वन संरक्षण, रोजगार सृजन और तकनीकी नवाचार को नई दिशा देने वाला साबित होगा।

मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 के ऑडिशन का आयोजन

जयपुर। प्रदेश के प्रतिष्ठित ब्यूटी पेजेंट मिस एंड मिसेज राजस्थान ग्लैमर 2026 के ऑडिशन का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें करीब 500 से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। आयोजक चिराग चौधरी और राकेश कुमार ने बताया कि ऑडिशन में 18 से 35 वर्ष आयु वर्ग की प्रतिभागियों ने ब्लैक वन पीस ड्रेस कोड में भाग लिया। प्रतिभागियों ने मिमिक्री के जरिए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। चयनित सेमीफाइनलिस्ट्स के लिए तीन दिवसीय विशेष ग्रूमिंग वर्कशॉप आयोजित की जाएगी, जिसमें इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स द्वारा पोर्टफोलियो शूट, टैलेंट राउंड, योगा, मेडिटेशन, सेल्फ कॉन्फिडेंस और स्टाइलिंग से जुड़े पहलुओं पर प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रतियोगिता का ग्रैंड फिनाले 11 अप्रैल को जयपुर होगा। स्थित रामाज रिसॉर्ट में आयोजित होगा। ऑडिशन के दौरान सुपर मॉडल ज्योति पुनिया, सीनियर मॉडल मिताली व्यास और सावित्री रिजॉर्ट पुष्कर के जनरल मैनेजर जसवेंद्र सिंह जूरी मेंबर के रूप में मौजूद रहे, जिन्होंने प्रतिभागियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया।

जेईसीआरसी में दो दिवसीय परिसंवाद राजस्थान ज्ञान सभा-208 आयोजित

जयपुर। राजस्थान में शिक्षा के परिदृश्य पर समग्र चर्चा के लिए दो दिवसीय परिसंवाद राजस्थान ज्ञान सभा- 2083 शनिवार को जेईसीआरसी विश्वविद्यालय परिसर में प्रारंभ हुआ। विकसित राजस्थान हेतु शिक्षा विषय पर आयोजित परिसंवाद का उद्घाटन करते हुए शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि हमारी शिक्षा मूल्य आधारित होनी चाहिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 में भी सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यही है। उन्होंने शिक्षा के साथ संस्कार के समावेश पर जोर देते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति की शिक्षा के विकास में भूमिका पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र में शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास के राष्ट्रीय सचिव डॉ. अतुल कोठारी ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपराओं में अधिकतम सवालों के जवाब निहित हैं। राजस्थान और देश का भौतिक विकास केवल शिक्षा से ही संभव है। आयुक्त कॉलेज शिक्षा राजस्थान डॉ. ओपी बैरवा ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विकास करना है। भविष्य आधारित विकास के लिए शिक्षा में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस का समावेश किया जा रहा है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख सुनील सुखदेवभाई मेहता, वाईस चेयरपर्सन जेईसीआरसी विश्वविद्यालय अमित अग्रवाल व प्रेसिडेंट जेईसीआरसी प्रो. विक्टर गंभीर ने भी शिक्षा के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला।कार्यक्रम के तहत राजस्थान की शिक्षा में संस्कार व्यवस्था: समाज का मौन संविधान- शिक्षा के माध्यम से सामाजिक मूल्यों एवं चरित्र निर्माण की भूमिका विषयक सत्र में अतिरिक्त मुख्य सचिव तकनीकी शिक्षा राजस्थान कुलदीप रांका ने मनुष्य जीवन में शिक्षा के आरंभ से लेकर वर्तमान तक के परिदृश्य पर बात करते हुए कहा कि नए विकास से पूरी संस्कृति प्रभावित होती है और तकनीक के चलते आगामी दिनों में रोजमर्रा के कार्यों में मनुष्य का महत्व कम होता चला जाएगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में मूल्य आधारित शिक्षा का महत्व है और मूल्यों को आगे बढ़ाने के लिए हमे सही फैसले लेने होंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में अनुभव आधारित शिक्षण हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। इस सत्र में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख सुनील सुखदेवभाई मेहता ने सामाजिक मूल्य एवं चरित्र निर्माण को जिम्मेदारी बताते हुए कहा कि समाज के प्रति आज संवेदना कम होती जा रही है।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने 'विकसित राजस्थान हेतु शिक्षा' विषय पर आयोजित परिसंवाद का उद्घाटन किया।

सार-समाचार

भरतपुर में 45वां लोहागढ केसरी कुश्ती दंगल का शुभारम्भ

भरतपुर (निस)। भरतपुर जिला कुश्ती संघ इण्डियन स्टाइल व भूरी सिंह व्यायामशाला के तत्वावधान में महाराजा सूरजमल कुश्ती स्टेडियम भरतपुर में 45वां लोहागढ केसरी-कुमार-किशोर-बसंत कुश्ती दंगल का उदघाटन कुश्ती संघ के अध्यक्ष सीताराम गुप्ता व भरतपुर इलैक्ट्रसिटी सर्विसेज के मुख्य कार्यकारी आकाश सक्सैना, पीआरओ सुधीर प्रताप सिंह के आतिथ्य में हुआ। दंगल के संयोजक चुन्नी कप्तान, लाखन पहलवान व खेल अधिकारी सत्यप्रकाश, जगदीश बंजी, बाबू सिंह रेंजर ने अतिथियों का साफा, माला व स्मृति चिंह देकर स्वागत किया। चुन्नी कप्तान ने बताया कि सभी खिताबों में 106 पहलवानों ने व स्पेशल कुश्ती हेतु 30 बाल पहलवानों ने अपने वजन दिए। सभी खिताबों का प्रथम दोर सम्पन्न हुआ जिसमें केसरी में मोहित फौगाट फरीदाबाद, प्रवीन रोहतक, अभिषेक थल सेना, रक्षित चोधरी मान्डोठी, रोहित मिर्चपुर, सतवीर सेह, भारत लाडपुर व दीपक नूरपुर ने अपने मुकावले जीते, कुमार में कपिल रोहतक, अर्जुन अजमेर, मोसम परमदरा, अभिषेक स्टेडियम सुखदेव सेह, लवकुश स्टेडियम, विवेक होडल ने अपने मुकावले जीते। किशोर संदीप भीलवाडा, पालेन्द्र स्टेडियम सागर जघीना, लखन परमदरा ने जीते। बसंत में कुन्नु ऋषि, निषांत होडल, मनीष भीलवाडा जीते। निर्णायक सत्य प्रकाश, तेजेन्द्र लाला, गंगा सिंह, नरेन्द्र सिंह, गोतम सिंह, ब्रजेश शर्मा, भरत चौधरी, टिंकू खां, भगवान सिंह, अर्जुन सिंह, वीर सिंह थे। दंगल में दलवीर हाथी, जीतू अजान, जगत धरसोनी, चन्द्रवीर दूधाधारी, हरवीर गहनोली, सुरेश सावोरा ने भी सहयोग किया। दंगल का सफल संचालन चुन्नी कप्तान ने किया। स्टेडियम में हजारों की संख्या में दर्शक मौजूद थे। सुरक्षा व्यवस्था अटलबंद थाना अधिकारी की रही। कप्तान ने बताया कि कल 22 मार्च को दोपहर 12 बजे से दंगल शुरू होगा, दंगल के पारितोषिक वितरण सांय 4 बजे होगा जिसमें जिला कलक्टर भरतपुर मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

विद्युत् बिलों से सम्बंधित कैंप का आयोजन

भरतपुर (निस)। बीईएसएल द्वारा विद्युत् बिलों से सम्बंधित कैंप का आयोजन रविवार को संस्कृत स्कूल, महात्मा गाँधी पब्लिक स्कूल, पकोड़े वाली गली, सेवर में सुबह 10:00 बजे से दोपहर 02:00 बजे तक बीईएसएल, विद्युत विभाग द्वारा एक कैंप का आयोजन किया जायेगा। बीईएसएल के जनसम्पर्क अधिकारी सुधीर प्रताप सिंह ने बताया कि इस कैंप में पुराने बकाया बिलों की वजह से कटे पड़े विद्युत् कनेक्शनों को पुनः चालू कराया जा सकता है। साथ ही उपभोक्ता अपने बकाया बिजली बिलों का किश्त करा के या पेनल्टी में रियायत प्राप्त कर एकमुश्त भुगतान कर सकते हैं। 15 मार्च को बरसो का नगला - सोनपुरा, विजय नगर स्थित अम्बेडकर भवन पर आयोजित कैंप में काफी लोगों ने अपने पुराने बकाया बिलों की पेनल्टी में रियायत प्राप्त कर कटे पड़े कनेक्शनों को उसी दिन चालू कराया। अतः सभी उपभोक्ताओं से अनुरोध किया जाता है कि वे समय पर कैंप में पधारें और इस सुविधा का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठावें। साथ ही सभी उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि जिन उपभोक्ताओं के बकाया राशि की वजह से विद्युत कनेक्शन कटे पड़े हैं और यदि वे विद्युत चोरी करते हैं या अपने किसी पडोसी से विद्युत आपूर्ति लेते हैं तो विद्युत अधिनियम की धारा 135 के तहत सख्त कानूनी कार्यवाही की जा सकती है।

श्रीमहावीरजी में धूमधाम से मनाई मीनेशजयंती

श्रीमहावीरजी। राष्ट्रीय आदिवासी मीणा महासभा संस्थान के तत्वाधान में मत्स्य भगवान के चित्रपट पर पुष्प और माला पहनाकर मीनेश जयंती हर्षोल्लाह और बडी धूमधाम से मनाई गई, राष्ट्रीय आदिवासी मीणा महासभा के प्रदेश महासचिव मास्टर रामचरण पहाड़ी और पूर्व सरपंच त्रिलोक चंद मीणा ने बताया कि मीणा धर्मशाला शांतवीर नगर श्री महावीर जी में मत्स्य जयंती हर्षोल्लास और बड़ी धूमधाम से मनाई गई इस मौके पर आदिवासी मीणा समाज के बुद्धिजीवी पंच पटेल एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। महासचिव रामचरण पहाड़ी जी ने अपने संबोधन में बताया कि दानालपुर के भामाशाह पूर्व सरपंच रघुनाथ मीणा के पुत्र कस्टम अधिकारी शिवनारायण मीणा ने टेलीफोन पर बात करके मंदिर विकास हेतु अपना योगदान देने की हर संभव बात कही। इस मौके पर जिला अध्यक्ष रामहंस गांवड़ी,पुर्वसरपंच त्रिलोक,शिवदयाल मीणा कटकड, लखनलाल बझेड़ा सहित कई लोगों ने नारी शिक्षा को बढ़ावा और खेती में उन्नत साधन अपनाने साथ ही आदिवासी समाज के युवाओं को बिजनेस में हाथ आजमाने की बात कही जिससे कि समाज का सर्वांगीण विकास हो सके।

भुसावर क्षेत्र में गणगौर पर्व पारंपरिक उल्लास के साथ मनाया

भुसावर भरतपुर (निस)। कस्बा भुसावर सहित आसपास के ग्रामीण परिवेश में गणगौर का पर्व पारंपरिक रीति-रिवाजों और उत्साह के साथ मनाया गया। महिलाओं एवं युवतियों में इस पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। महिलाओं ने एक स्थान पर एकत्रित होकर ईसर-गणगौर की कथा सुनी और विधि-विधान से माता गणगौर की पूजा-अर्चना की। पर्व के अवसर पर छोटी-छोटी बालिकाओं में खासा उत्साह नजर आया। पिछले सोलह दिनों से गणगौर खेल रही बालिकाएं ईसर-गणगौर का स्वरूप सजाकर रघुनाथ बाग पहुंचीं और मेले का आनंद लिया। मेले में चाट-पकौड़ी की दुकानों एवं झूलों पर बच्चों और युवाओं की भीड़ देखने को मिली। इस दौरान बुजुर्ग महिलाओं ने बताया कि गणगौर राजस्थान का प्रमुख लोकपर्व है। जो भगवान शिव (ईसर) और माता पार्वती (गौरी) की आराधना को समर्पित है।

सूरौठ कस्बे में पारंपरिक परिधानों के साथ निकली गणगौर माता की भव्य शोभायात्रा

■ **थाना प्रभारी सोहन सिंह गुर्जर के नेतृत्व में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच श्रद्धा व उल्लास से निकली सवारी**

सूरौठ। कस्बे में शनिवार को गणगौर पर्व के अवसर पर रियासत कालीन गणगौर माता की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बडी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे मार्ग में भक्तिमय माहौल बना रहा। कस्बे के सूरौठ महल व सूरौठ गढ़ से शाम 5 बजे गणगौर की सवारी शोभायात्रा के साथ प्रारम्भ हुई शोभायात्रा के साथ तहसीलदार संजीव धाकड़, थाना प्रभारी सोहन सिंह गुर्जर, पूर्व सरपंच नत्थू सिंह राजावत, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि रामवतार शर्मा, पुरूषोत्तम बंशीवाल दिलीप सिंह राजावत,केदार मीना, पूर्व उप-सरपंच श्याम सुंदर सैनी, सफाई प्रभारी खेमराज मीणा, आरंभ महावर, बजरंग राजावत भारत राजावत रहे उपस्थित व इस अवसर पर सूरौठ तहसील के विभिन्न गांव से महिला -पुरुष बड़ी संख्या मे शामिल हुए।

शोभायात्रा निर्धारित मार्गों से होकर निकली, जहां श्रद्धालुओं ने जगह-जगह माता का स्वागत कर पुष्पवर्षा की। महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सिर पर कलश धारण कर चल रही थीं, वहीं पुरुष भी राजस्थानी परिधान में आकर्षक नजर आए। डीजे और बैंड की धुनों पर युवा वर्ग उत्साहपूर्वक नाचते हुए चल रहे थे। यात्रा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। गणगौर माता की सवारी के दौरान श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। शोभायात्रा के समापन पर मंदिर परिसर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रसाद वितरण किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार की सजीव झाँकियां शामिल हुई। कस्बे के सर्व समाज के गणमान्य लोगों ने व्यवस्थाओ मे विशेष सहयोग किया।यहां दो दिवसीय गण गौर की सवारी निकाली जाती है। इस आयोजन मे हनुमानजी,राधा कृष्ण, अघोरी शिव सहित कई झांकियां शामिल हुई कमेटी सदस्य विश्राम मीणा व नरेन्द्र बाबा ने बताया कि शनिवार को दोपहर करीब 12 बजे जिकड़ी गायन की शुरुआत हुई। जिसमें उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कई शहरों से 7 गायन पार्टियों ने भाग लिया जिंकडी गायन शाम आठ बजे तक चला जिसमें सभी गायन पार्टीयों ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी, जिन्हें सुनकर श्रोता गण मंत्र मुग्ध हो गयें, सभी गायन पार्टियों के मेडियाओं का कमेटी कि ओर से माला व साफा पहनाकर जोरदार तरीके से भव्य स्वागत सम्मान किया, इस अवसर पर कई लोग उपस्थित रहें ।

आरोग्य मेला का समापन

करौली। जिला मुख्यालय पर गति 3 दिन से चल रहे संभाग स्तरीय आरोग्य मेला करौली का शनिवार को अजमेर के अतिरिक्त निदेशक डॉ रमेश मीणा समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रहे आयुष विभाग राजस्थान सरकार एवं जिला प्रशासन की ओर से यहां के पीजी कॉलेज के पीछे खेल मैदान में गत 18 मार्च 2026 से संभाग स्तरीय विशाल आरोग्य मेला का शुभारंभ हुआ जिस तीन दिवसीय आरोग्य में लेकर शनिवार को समापन हुआ जिसमें अजमेर के अतिरिक्त निदेशक डॉक्टर रमेश मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और डॉक्टर घनश्याम मीणा उपनिदेशक कैंप जयपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे समापन कार्यक्रम में सेवानिवृत्ति डीडी डॉक्टर सुशील पाराशर और नोडल अधिकारी डॉक्टर सतीश पाराशर सहायक नोडल अधिकारी डॉक्टर कालूराम मीणा मेले में प्रमुख रहे समापन कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथि रमेश मीणा ने आरोग्य मेले में चिकित्सा पद्धित की लगी सभी स्टाइलों पर पहुंचकर संबंधित डॉक्टर एस और अन्य कर्मचारी से जानकारी इस अवसर पर सहायक नोडल अधिकारी डॉक्टर कालूराम मीणा ने मेला प्रतिवेदन से समापन समारोह में उपस्थित लोगों को अवगत कराया और उन्होंने कहा कि मेले में आयुष विभाग की आयुर्वेदिक होम्योपैथिक यूनानी प्राकृतिक और योग सिद्ध अग्निकर्म मर्म छार सूत्र पंचकर्म आदि सभी चिकित्सा यूनिटो पर कर करीब 10000 रोगियों को लाभान्वित किया गया है कार्यक्रम में प्रमुख के साथ कार्य डॉक्टर गौरव अठावाल डॉक्टर भीम सिंह मीणा होम्योपैथिक चिकित्सा के डॉक्टर सुरेंद्र शर्मा सहित सभी कार्मिक उपस्थित रहे समापन कार्यक्रम का मंच संचालन डॉक्टर रमन स्वरूप लवानिया मेला प्रभारी ने किया अंत में आरोग्य मेले में ड्यूटी देने वाले सभी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

शाहिद खान बने अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष

भरतपुर (निस)। शहर कांठोस कार्यालय गोवर्धन मार्केट पर अल्पसंख्यक कांठोस के जिला अध्यक्ष शाहिद खान कांठोस अल्पसंख्यक विभाग का जिला अध्यक्ष बनने पर का शहर कांठोस परिवार में माल साफा और फोटो देकर स्वागत सम्मान किया। जिलाअध्यक्ष शाहिद खान ने सभी का आभार व्यक्त किया और सभी को धन्यवाद व्यापित किया और कहा कि भरतपुर जिले में वह कांठोस की रीति नीति को बढ़ाएंगे और संगठन को मजबूती प्रदान करेंगे। कार्यक्रम में मुख्य रूप से शहर ब्लॉक अध्यक्ष डॉक्टर दयाचंद पचौरी शहर संगठन महामंत्री डॉक्टर लोकपाल सिंह शहर प्रवक्ता दिगंबर सिंह खटाना अभिषेक तिवारी चरण सिंह योगेश खटाना प्रतीक बुराबई मोनी सरदार सोनू सिंह बंटी राणा दीपू योगेश दिवाकर उपेंद्र चंदेल देवेश चौधरी मनीष भाडौर आदि पदाधिकारी मौजूद रहे।

ईद-उल-फितर पर हिण्डौन में दिखा भाईचारे का संदेश

■ **ईदगाहों में अदा हुई नमाज, बाजारों में रही रौनक**

■ **हाडोली स्थित दरगाह में सुबह 8 बजे हाफिज अब्दुल रहमान के नेतृत्व में नमाज अदा की गई**

हिण्डौन सिटी। शनिवार को ईद-उल-फितर का पावन पर्व शहर में हर्षोल्लास, भाईचारे और उत्साह के साथ मनाया गया। मुस्लिम समाज के लोगों ने सुबह ईदगाहों और दरगाहों में विशेष नमाज अदा कर देश में अमन-चैन और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी, जिससे पूरे शहर में आपसी सौहार्द का माहौल नजर आया।

करौली रोड स्थित ईदगाह में सुबह 8:30 बजे ईद की नमाज अदा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में बच्चे, युवा और बुजुर्ग शामिल हुए। हाफिज शफी ने नमाज अदा कराई, जबकि मुफ्ती अब्दुल हमीद कुरैशी ने अपने बयान में नेकी, सच्चाई और भाईचारे का संदेश देते हुए देश में शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की।

इसी तरह हाडोली स्थित दरगाह में सुबह 8 बजे हाफिज अब्दुल रहमान के नेतृत्व में नमाज अदा की गई, जिसमें शेरपुर सहित आसपास के क्षेत्रों से मुस्लिम समाज के लोग पहुंचे। गुनसार की दरगाह में भी सुबह 8 बजे नमाज अदा कर लोगों ने देश की तरक्की और खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद शहर के बाजारों में विशेष रौनक देखने को मिली। ईदगाह के बाहर अस्थाई दुकानों पर बच्चों के खेल-खिलौने, मिठाइयां और अन्य सामान की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। खासकर बच्चों में ईद को लेकर जबरदस्त उत्साह दिखाई दिया।

त्योहार के मद्देनजर प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए डीएसपी मुनेश मीना, कोतवाली थाना प्रभारी महेंद्र सिंह एवं तहसीलदार सीमा बघेल पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर तैनात रहे। नमाज के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए करौली रोड से गुजरने वाले वाहनों को बरगमा रोड की ओर डायवर्ट किया । ईद के इस मौके पर हिण्डौन में जहां एक ओर इबादत और आध्यात्मिकता का माहौल रहा, वहीं दूसरी ओर आपसी प्रेम, सौहार्द और भाईचारे की मिसाल भी देखने को मिली।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर एवं दवाइयों का वितरण

भरतपुर (निस)। अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जिला युवा इकाई, भरतपुर एवं गीतांजलि हॉस्पिटल, जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में अठावाल धर्मशाला, खिरनी घाट, भरतपुर में नि:शुल्क स्वास्थ्य परामर्श शिविर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।

शिविर में जनरल फिजीशियन, जनरल सर्जन एवं ऑर्थोपेडिक्स विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा मरीजों को परामर्श प्रदान किया गया तथा ब्लड शुगर एवं ब्लड प्रेशर की नि:शुल्क जांच की गई। इस अवसर पर युवा टीम द्वारा नि:शुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया, जिससे जरूरतमंद मरीजों को विशेष राहत मिली, कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आमजन को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना एवं नि:शुल्क चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना रहा। उपस्थित लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अनुराग गर्ग तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला अठावाल महासभा के अध्यक्ष अतुल मित्तल रहे, साथ ही शहर अध्यक्ष सत्यव्रत आर्य, योगेश सिंघल, बबीता शर्मा, मोहन मित्तल, विनोद सिंघल, महेश सिंघल, मुकेश गोयल (बृजवासी वाले),जितेन्द्र जायसवाल, ओमप्रकाश माहेश्वरी, विष्णु लोहिया, अमित खण्डेलवाल, संतोष खंडेलवाल, ओमप्रकाश सिंघल, सनत गुप्ता, गौरांग अठावाल, रामेन्द्र सर्राफ, कपिल बंसल, राकेश गोयनका, विवेक मित्तल एवं तरुण जैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों का सहयोग रहा। कार्यक्रम के दौरान अध्यक्ष मनीष गर्ग ने अपने उद्बोधन में कहा कि समाज सेवा ही हमारा सबसे बड़ा धर्म है। आज के समय में स्वास्थ्य सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया है, ऐसे में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। हमारा प्रयास है कि समाज के प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक चिकित्सा सुविधाएं पहुंच सकें। महामंत्री एडवोकेट अभिषेक जैन ने कहा कि युवा शक्ति यदि ठान ले तो समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। वैश्य महासम्मेलन युवा इकाई निरंतर ऐसे सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा रही है और भविष्य में भी इसी प्रकार के जनहित कार्य जारी रहेंगे। अंत में महामंत्री एडवोकेट अभिषेक जैन ने सभी आए अतिथियों का स्वागत-सम्मान करते हुए उनका आभार व्यक्त किया।

उत्साह के साथ मनाई ईद उल फितर

गंगापुर सिटी । शनिवार को ईद-उल-फितर का त्योहार हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। शहर काजी शाहिद अली की मौजूदगी में ईदगाह में मुख्य नमाज अदा की गई। इस दौरान हजारों मुस्लिम समुदाय के लोगों ने देश में अमन-चौन और खुशहाली की दुआएं मांगी। नमाज के लिए सुबह साढ़े सात बजे से ही ईदगाह में लोगों का पहुंचना शुरू हो गया था। नमाज अदा करने के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। नमाज से पहले ईदगाह कमेटी के सदर अनवार अली काजी, अब्दुल जलील और गफ्फार अली जैदी ने ईद उल फितर के महत्व पर प्रकाश डाला। शहर काजी शाहिद अली ने नेक राह पर चलने का संदेश दिया। ईदगाह के अतिरिक्त शहर की जामा मस्जिद में भी हाफिज रेहान ने ईद की नमाज अदा कराई। नमाज के दौरान विधायक और प्रतिपक्ष के उपनेता रामकेश मीना भी मौजूद रहे।

सार-समाचार

92 वर्षीय वैद्य जगदीश प्रसाद शर्मा का भव्य सम्मान

भरतपुर (निस)। अलायंस क्लब भरतपुर प्रान्त 120एन भरतपुर द्वारा 92 वर्षीय वैध जगदीश प्रसाद शर्मा ग्राम अंधियारी हाल निवासी जवाहर नगर भरतपुर का पूर्व अलायंस इन्टरनेशनल डायरेक्टर राजेन्द्र प्रसाद शर्मा संस्थापक प्रान्तपाल, ओंकार सिंह संधु प्रान्तपाल सह प्रान्तपाल लक्ष्मी नारायन गुप्ता, हरेन्द्र कुमार शर्मा, ओमप्रकाश आजाद, गिरधारी लाल गुप्ता ने साफा, शॉल,शाला, दुपट्टा, तुलसी माला, प्रतीक चिंह, ड्राईफ्रूट देकर सम्मानित किया। साथ ही वाणी प्रदूषण मंच से ओ.पी. अठावाल, राष्ट्रीय परशुराम सेना से प्रदेशाध्यक्ष श्याम सुन्दरशर्मा, प्रकाश चंद शर्मा, योगेश शर्मा सेवानिवृत महाप्रबन्धक ग्रामीण बैंक, जगदीश लवानियां, डोरीलाल शर्मा जिला पेंशनर समाज अध्यक्ष, ब्राहमण सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष कौशलेश शर्मा, सतीश भारद्वाज, चन्द्रशेखर शर्मा सी.आर.एस. के ओमप्रकाश शर्मा, पूर्व उप निदेशक, वैध लक्ष्मन प्रसाद शर्मा आदि ने भी साफा, दुपट्टा आदि से सम्मानित किया। अलायंस के संस्थापक ने संस्था का परिचय एवं समाज सेवा की जानकारी देते बताया कि हम वरिष्ठजनों के पास बैठकर उनके अनुभवों को साझा करते हैं। श्याम सुन्दर कटारा ने जगदीश प्रसाद का परिचय दियौ वैध लक्ष्मण प्रसाद ने उनकी जीवन चर्चा को बताया। वैध जगदीश शर्मा ने बडे रोचक व उत्साह के साथ अपने अमूल्य अनुभवों से अवगत कराते हुए कविता व चुटकले के रूप में कहा कि मुस्कराहट व पोजीटिव सोच के साथ स्वस्थ मन से जीयें।

सूरौठ में ईद-उल-फितर पर अदा की नमाज

सूरौठ । कस्बे में ईद-उल-फितर का पर्व भाईचारे और सौहार्द के साथ मनाया गया। मुस्लिम समाज के लोगों ने सुबह ईदगाह में एकत्रित होकर मौलवी हाफिज मौलाना मुख्तार, हाफिज सहूद के सानिध्य में मुख्य नमाज अदा की और देश में अमन-चैन व खुशहाली की दुआ मांगी। नमाज के बाद हिंदू और मुस्लिम समाज के लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर ईद की मुबारकबाद दी। इस दौरान कस्बे में गंगा-जमुनी तहजीब और आपसी सौहार्द की खूबसूरत मिसाल देखने को मिली इस अवसर पर जहीर खान,जब्बार खान, जाकिर हुसैन,डॉ खलील खान, कलुआ खान, वकील खान, जाकिर खान कल्ला खान, खलील खान, अशफाक,फजला, गनी खान, पप्पू खान तैयब, रोशन खां कलाम खां, रमजानी, सहित कई मुस्लिम समाज के लोग ने हिंदू मुस्लिम एकता पर खुशी जाहिर की थाना प्रभारी सोहन सिंह गुर्जर के सानिध्य में सुरक्षा की व्यवस्था की गई, साथ ही ईद के त्योहार पर घरों में मीठी मिठाइयां बनाकर खिलाई, ईद के त्यौहार को लेकर घरों में खुशियां मनाई गई, ईद के मौके पर विभिन्न समाजों के लोगों ने मुस्लिम समाज के बीच पहुंचकर बधाइयां दीं, सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने मुस्लिम भाइयों का स्वागत कर भाईचारे का संदेश दिया। पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा और शांति व्यवस्था बनाए रखी गई सभी ने एकजुटता और भाईचारे का संदेश देते हुए देश में शांति और सद्भाव बनाए रखने की अपील की हैं।

मुस्लिम भाइयों को दी ईद की मुबारकबाद

भरतपुर (निस)। शहर ब्लॉक कांठोस कार्यकर्ताओं ने शहर कांठोस अध्यक्ष डॉ.दयाचंद पचौरी के नेतृत्व में ईदगाह मस्जिद जाकर मुस्लिम भाईयों को ईद की हार्दिक मुवारकवाद दी। सभी एक दूसरे के गले मिलकर प्रेम भावना प्रदर्शित की तथा देश में अमन चौन व खुशहाली की कामना की। डॉ.दयाचंद पचौरी ने कहा कि ईद का त्यौहार मुस्लिम भाईयों के लिए एक खास त्यौहार है जिसमें ये लोग एक महीने लगातार रोजा रखकर अल्लाह की याद करते हैं तथा देश में खुशहाली व भाईचारे व अमन चेन की कामना करते हैं। हमारा देश हिन्दू मुस्लिम सिख ईसाई सभी धर्मों व सम्प्रदायों को साथ लेकर चलने वाला देशहै जिसमें सभी सम्प्रदाय के त्यौहारों को एक साथ ईद, होली, दीपावली, गुड फ्राइडे, गुरूनानक जयंती आदि को एक दूसरे के साथ मिलकर मनाते हैं। कांठोस कार्यकर्ताओं द्वारा सभी नमाजियों पर पुष्प वर्षा की व फूल मालाओं पहनाकर उनको शुभकामनाएँ प्रेषित कीं व ईद की मुवारक वाद दी। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चा के जिलाध्यक्ष सईद खान ने सभी का आभार प्रकट किया व मिठाई खिलाई गई। जिला संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने भी सभी नमाजियों को ईद की मुवारक वाद दी। इस अवसर पर ई. जीवनलाल शर्मा, मनोज शर्मा, प्रेमसिंह प्रजापति, चन्द्रकांत शर्मा, डॉ. लोकपाल, अवधेश शर्मा, सुरेश पदयात्री, दिगम्बर खटाना, ओमप्रकाश प्रजापति, अशोक ताम्बी, वीरेन्द्र नागर, विष्णु गर्ग, पार्षद राकेश पठानियां, अमित गौरावर, चन्द्रभान फौजदार, नरेश लवानियां, सतपाल सिंह, नवल काका, वशीर खान, मनीष तिवारी, तामील खान, उपेन्द्र चंदेला, अशोक लवानियां, तालिम खान आदि मौजूद थे।

लक्ष्मी नारायण गुप्ता का सम्मान

भरतपुर (निस)। अलायंस क्लब भरतपुर प्रान्त 120एन भरतपुर द्वारा सीनियर सिटीजन लक्ष्मी नारायन गुप्ता रिटायर्ड मुंसरिम का 87 बसंत पूर्ण करने पर संधु एसोसियेटस पर राजेन्द्र प्रसाद शर्मा संस्थापक प्रान्तपाल, ओंकार सिंह संधु प्रान्तपाल, मनोज झालानी, सह प्रान्तपाल हरेन्द्र शर्मा, गिरधारी गुप्ता, ओमप्रकाश आजाद ने साफा, माला, दुपट्टा, स्मृति चिंह, गीता आदि देकर सम्मानित कर उनकी स्वस्थ्य व दीर्घायु जीवन की कामना की। इस अवसर पर दिनेश कुमार बंसल, जगदीश प्रसाद अठावाल, प्रकाश मोहन, ओमप्रकाश सिंघल ने भी माला, साफा, स्मृति चिंह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर लक्ष्मी नारायन ने भी सुखद व स्वस्थ्य रहने के अनुभवों को अवगत कराया।

गणगौर पर्व मनाया

मेडता सिटी । गणगौर पर्व को लेकर महिलाओं ने धूम मची हुई हे । महिलायें दुल्हनों की तरह तैयार होकर गौर माता व ईशर जी की पूजा अर्चना करती हे । वही शहर में ज्योति नगर बी कॉलोनी सोनाला भेरूजी के पास की महिलाओं द्वारा गोर ईसर जी को पानी पिलाने की परम्परा निभायी गई वही गोर इसर जी की पूजा अर्चना कर गीत गाये । इस मौके पर विमला सिखवाल, लाडू बाई , मंजू लता टेलर , सुमन सोनी , बसंती टाक , डिम्पल टेलर , कोमल सोनी , रवीना टाक , सपना टेलर विनीता वैष्णव , लक्ष्मी वैष्णव , कांता लखारा , हेमू सहित कॉलोनी की महिलाएं मौजूद थी ।

महिला श्रद्धालुओं ने मां कैलादेवी जी के दर्शन लाभ लेकर पूजी गणगौर माता

कैलादेवी /करौली। उत्तरी भारत के सुप्रसिद्ध कैलादेवी जी के चैत्र नवरात्रा मेला शुभारंभ के छठवें दिन करीब डेढ़ लाख श्रद्धालुओं के दर्शन लाभ लेने से मेले के छठवें दिन तक श्रद्धालुओं की संख्या करीब 16 लाख तक पहुंची शनिवार को महिला श्रद्धालुओं ने कैला मां की चौखट पर ढोक लगाकर मनौती मांगी और उसके बाद गणगौर के त्योहार पर मां गणगौर की पूजा की।

मां कैलादेवी आस्थाधाम इन दिनों लांगुरिया गीतों से गुंजायमान है दूर दराज क्षेत्र से मां कैला देवी जी के दर्शनों के लिए बड़ी संख्या में आ रहे श्रद्धालु डीजे के लांगुरिया गीतों की धुन पर महिला पुरुष श्रद्धालु जमकर नृत्य कर और मां केलादेवी के जयकारे लगाकर श्रद्धा और भक्ति भावना का आनंद ले रही इस वर्ष कैलादेवी जी का चैत्र नवरात्रा मेला 16 मार्च 2026 से शुभारंभ हुआ है लेकिन श्रद्धालु मेले के शुभारंभ के दिन से तीन दिन पूर्व से ही बड़ी संख्या में दर्शन लाभ ले रहे हैं इस वर्ष मेले की शुभारंभ से तीन दिन पूर्व करीब 4 लाख से अधिक श्रद्धालु मां के दर्शन लाभ ले चुके और मेले के शुभारंभ से मेले के छठवें दिन तक करीब 12 लाख श्रद्धाल दर्शन लाभ ले चुके हैं इस प्रकार मेले की छठवीं दिन तक कल 16 लाख के करीब श्रद्धालु मां के दर्शन लाभ ले चुके हैं यह जानकारी मंदिर ट्रस्ट के लीगल एडवाइजर और कंट्रोल रूम प्रभारी एडवोकेट संतोष सिंह सहायक मैनेजर चंद्रकांता ने देते हुए बताया कि इस वर्ष कैला देवी मंदिर ट्रस्ट सोल ट्रस्टी कृष्ण चंद्रपाल के निर्देशानुसार कैला देवी मंदिर ट्रस्ट प्रशासन द्वारा दूर दराज से दर्शनों के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की हर प्रकार की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है और उन्हें सुगमता के दर्शन लाभ कराने के पूरे प्रयास किया जा रहे हैं।

इधर कैलादेवी जी मेले में प्रशासन और पुलिस प्रशासन की ओर से भी श्रद्धालुओं की सुविधाओं पर पूरा ध्यान रखा जा रहा है दूर दराज से आने वाले श्रद्धालुओं को मेले में शांतिपूर्ण वातावरण बनाने में पूर्ण प्रयास किया जा रहे हैं और हर प्रकार की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है वैसे इस बार कैला देवी मंदिर ट्रस्ट प्रशासन द्वारा केला देवी आस्था धाम में सभी जगह सीसीटीवी कैमरा लगाए हुए हैं जिससे मेले में असामाजिक तत्वों और जेब कतरों पर पूरी निगरानी रखी जा रही है

बयाना में महिलाओं ने अखंड सौभाग्य की कामना की

■ **गणगौर माता की पूजा कर गुणे शक्कर पारे का भोग लगाया, निकाली विनोरी**

बयाना भरतपुर (निस)। बयाना कस्बे और उपखंड क्षेत्र में शनिवार को गणगौर महोत्सव धार्मिक श्रद्धा और विश्वास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं और युवतियों ने सोलह श्रृंगार कर गणगौर माता की सामूहिक पूजा-अर्चना की। सुहागिन महिलाओं ने अखंड सौभाग्य और सुख-समृद्धि की कामना की, वहीं कुंवारी कन्याओं ने अच्छे वर की प्राप्ति के लिए आशीर्वाद मांगा।

पूजा के दौरान गणगौर माता को विशेष रूप से गुणे शक्कर पारे का भोग अर्पित किया गया। व्रती महिलाओं ने श्रद्धा भाव से गणगौर व्रत की कथा सुनी। इस दिन छोटी बालिकाओं और महिलाओं ने भगवान शिव और माता पार्वती का रूप धारण किया। कस्बे में जगह-जगह ईसर गणगौर की अगवानी की गई और उनका पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। शीतलाष्टमी के बाद से घरों में गणगौर और बिनौरा देने की परंपरा शुरू हो जाती है, जो इस महोत्सव का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कुसुम लता प्रजापत, रेशमा,माधवी, तेजस्विनी, लीला देवी,राजो बंसल, मीना बंसल के अनुसार, यह त्योहार होलिका दहन के दूसरे दिन से शुरू होकर 16 दिनों तक चलता है।

गणगौर महोत्सव चौत्र कृष्ण प्रतिपदा से लेकर चौत्र शुक्ल तृतीया तक मनाया जाता है। महिलाएं इस दौरान पारंपरिक गीत श्नखराली महारी गणगौरश् और श्मार्च महीना निकलेगी गणगौरश् गाते हुए मंगल कामनाएं करती हैं। वे काजल, मेहंदी, हल्दी और सिंदूर की बिंदी लगाकर अपने पति की लंबी उम्र और अमर सुहाग की कामना करती हैं। रोजाना गणगौर की पूजा और श्रृंगार किया जाता है।

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति मासलपुर जिला करौली

क्रमांक: पंसमा./लेखा/निविदा/2025-26/1781-1786 दिनांक:- 16.03.2026

निविदा सूचना संख्या 1-7/2026-27

पंचायत समिति मासलपुर में विभिन्न योजनाओं/शाखाओं में विभिन्न कार्यों व्यवस्थाओं हेतु दर अनुंबंध करने/सामग्री क्रय करने/बोलेरो टैक्सी परमिट वाहन की अनुज्ञा देने के लिए अनुभवी फर्मों/प्रतिष्ठिता संस्थाओं/इच्छुक व्यक्तियोयं से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदादाता निर्धारित राशि डिमाण्ड ड्राफ्ट में जमा कराकर पंचायत समिति से निविदा प्रपत्र एवं निविदा प्रपत्र एवं निविदा शर्त प्राप्त कर सकते है। निविदाओं का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा संख्या	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाखों में)	अमानत राशि	निविदा शुल्क	आरआई एसएल शुल्क
1	कम्प्यूटर कार्य सेवा प्रदाता एजेन्सी के माध्यम से जॉब आउट सोसिंग बेसिक पर कराना	3.50	7000	200	500
2	बेलेरो टैक्सी परमिट वाहन किराये पर वाहन उपलब्ध कराना	3.50	7000	200	500
3	स्टेशनरी सामग्री आवश्यकतानुसार (दर निर्धारण)	2.00	4000	200	500
4	फोटो स्टेट कार्य आवश्यकतानुसार (दर निर्धारिण	1.00	2000	200	500
5	प्रशिक्षणों एवं बैठकों में चाय नाश्ता एवं भोजन व्यवस्था आवश्यकतानुसार	3.50	7000	200	500
6	मृतक पशु हड्डी संकलन ठेका वर्ष 2025-2026	आरक्षित राशि 72365 रू.	7237	200	
7	मिटिंग/शिविरों में टैन्ट, कुर्सी, माईक, जनरेअर, आरओ वाटर (कैम्पर) आदि व्यवस्था	2.00	4000	200	500
	उक्त सभी निविदाओं को बेचने प्राप्त करने एवं खोलने आदि का कार्यक्रम निम्नानुसार होगा।				
	निविदा जारी होने की दिनांक 17.03.2026 को 11.00 एएम से 27.03.2026 को 11.00 ए.एम. तक बेची जाएगी।				
	निविदा प्राप्त करने की दिनांक व समय :- दिनांक 27.03.2026 प्रातः 12 बजे तक				
	निविदा खोलने की दिनांक व समय :- दिनांक 27.03.2026 दोपहर पश्चात् 2 बजे से				

सामग्री की मात्रा एवं कार्य का विवरण निविदा प्रपत्रों में अंकित है। कार्य/सामग्री की मात्रा में आवश्यकतानुसार कमी या बढ़ोतरी की जा सकती है। निविदा शर्तें एवं निविदा प्रपत्र कार्यालय समय में निर्धारित शुल्क नगद/डिमाण्ड विकास अधिकारी पंचाचयत समिति मासलपुर के पक्ष में देय हो जमा कराकर प्रांप्त किया जा सकता है। निविदाए उक्त निर्धारित दिनांक एवं समय पर जमा कराई जा सकती है। निविदा का प्रकाशन sppp.raj.gov.in पर किया गया है। निर्धारित प्रारूप में दर प्रस्तुत न करने पर एवं अस्पष्ट होने पर एवं अपूर्ण निविदराओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदाएं बिना कारण बताए निरस्त की जा सकती है।

NIB- ZKR202526A0895
NIB- ZKR202526SSOB01303
ZKR202526RFP0001

(मोहनलाल शर्मा, RRDS)
विकास अधिकारी
पंचायत समिति मासलपुर

पूर्व भारतीय क्रिकेटर और दिग्गज कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने रंगभेद का आरोप लगाते हुए का कमेंट्री पैनल छोड़ दिया है। मैं के लिए कमेंट्री से संन्यास ले रहा हूं।
-दिग्गज कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन

दिग्गज कमेंटेटर लक्ष्मण शिवरामकृष्णन ने आरोप लगाया।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

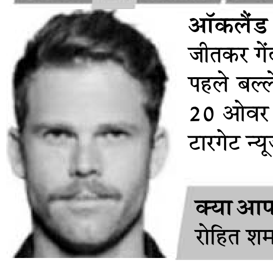

लॉकी फर्ग्यूसन

ऑकलैंड के इडेन पार्क स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 136 रन बनाए। 137 रन का टारगेट न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर हासिल कर लिया। टॉम लैथम 63 रन बनाकर नाबाद लौटे। वहीं, लॉकी फर्ग्यूसन ने अपने कोटे के चार ओवर में 9 रन देकर एक विकेट लिया। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। 137 रन का टारगेट न्यूजीलैंड ने 16.2 ओवर में दो विकेट पर हासिल कर लिया।

क्या आप जानते हैं ?... आईपीएल इतिहास (2008-2025) के प्रमुख रिकॉर्ड्स में विराट कोहली सबसे ज्यादा रन (8000), रोहित शर्मा/धोनी सबसे सफल कप्तान, और मुंबई-चेन्नई (5-5 खिताब) सबसे सफल टीमें हैं।

रेनबो स्टार्स ने जीता 5वां एजीईएस क्रिकेट टूर्नामेंट

जयपुर, 21 मार्च 2026। जयपुर में आज उत्साह और खेल भावना के साथ फोर स्क्वेयर के सहयोग से एसोसिएशन ऑफ गारमेंट एक्सपोर्टर्स (एजीईएस), जयपुर द्वारा 5वें वार्षिक क्रिकेट इवेंट 2026 का आयोजन जयपुरिया क्रिकेट अकादमी ग्राउंड पर किया गया।

इस आयोजन में गारमेंट एक्सपोर्ट इंडस्ट्री से जुड़े सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का आयोजन दलपत लोढ़ा और राजीव दीवान के संरक्षण में हुआ और कार्यक्रम में संस्था के अध्यक्ष आरिफ कागज़ी एवं महासचिव मोनू करनानी उपस्थित रहे।

इस क्रिकेट टूर्नामेंट में चार टीमों ने हिस्सा लिया, इको वॉरियर्स – कप्तान: अखिलेश हर्षा (एम/एस कागज़ी एक्सपोर्ट्स); कुबेर वॉरियर्स – कप्तान: जितेंद्र सिंह शेखावत (एम/एस कुबेर इंडस्ट्रीज); लोढ़ा लायंस – कप्तान: शुभांक लोढ़ा (एम/एस लोढ़ा इम्पेक्स); रेनबो स्टार्स – कप्तान: देवेंद्र सिंह शेखावत (एम/एस रेनबो टेक्सफैब प्रा. लि.)। फ़ाइनल मैच के मैन ऑफ द मैच, हिमांशु कांकरिया रहे; मैन ऑफ द सीरीज। हिमांशु कांकरिया टूर्नामेंट के बेस्ट बॉलर रघु राज राना, बेस्ट बैट्समैन अखिलेश हर्षा, बेस्ट फ़ील्डर जितेंद्र सिंह शेखावत रहे। टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर दर्शकों का उत्साह बढ़ाया।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य उभरते हुए व्यवसायियों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देना तथा उद्योग में आपसी संबंधों को मजबूत करना रहा। इवेंट के मुख्य प्रायोजक फोर स्क्वेयर थ्रेड्स, जयपुर थे।

जयपुर पोलो सीजन 2026

जयपुर को हराकर टीम जयगढ़ बनी आरपीसी कप की विजेता

जयपुर, 21 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत शनिवार को राजस्थान पोलो क्लब ठााउंड पर आरपीसी कप (आउट ऑफ हैट) टूर्नामेंट का रोमांचक फाइनल खेला गया। इस टक्कर में टीम जयपुर और टीम जयगढ़ के बीच मुकाबला हुआ। मुकाबले में टीम जयगढ़ ने 9-6 के स्कोर के साथ टीम जयपुर को हराकर कप अपने नाम कर लिया।

विजेता टीम जयगढ़ से रणशेय पुरोहित, अश्विनी शर्मा और विक्रमादित्य सिंह बरकाना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रत्येक ने 3-3 गोल हासिल किए। टीम से शुभम गुप्ता भी खेले। दूसरी ओर, टीम जयपुर से तरुण बिलवाल ने 2 गोल किए। वहीं, रघुराम हरि और दिव्यमान सिंह दूजोद ने 1-1 गोल हासिल किया। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में नरेंद्र सिंह/योगेंद्र सिंह भी शामिल रहे। यहां टीम जयपुर को 2 गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ।

आकाश दीप 2026 से बाहर हुए:

के पेसर इंजरी के कारण नहीं खेलेंगे; मेगा ऑक्शन में एक करोड़ में खरीदा था

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स को 2026 से पहले एक और झटका लगा है। टीम के तेज गेंदबाज आकाश दीप पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। शनिवार को क्रिकेट वेबसाइट क्रिकबज को फ्रेंचाइजी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की।

29 साल के बंगाल के इस गेंदबाज को पिछले साल अबू धाबी में हुए मेगा ऑक्शन में 1 करोड़ रुपये के बेस प्राइस पर टीम ने खरीदा था। हालांकि, वह अब तक टीम कैंप से नहीं जुड़े हैं। आकाश दीप बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिहैब कर रहे हैं। उनकी चोट किस तरह की है, यह साफ नहीं हो सका है, लेकिन मैनेजमेंट और फ्रेंचाइजी के बीच इसको लेकर बातचीत हुई है। केकेआर के लिए यह चिंता बढ़ाने वाली खबर है, क्योंकि इससे पहले हर्षित राणा और मथीशा पथिराना को लेकर भी टीम को अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा है। पथिराना को अभी श्रीलंका क्रिकेट से क्लियरेंस मिलना बाकी है।

टीम ने 18 मार्च से कोलकाता में कैंप शुरू किया है, लेकिन आकाश दीप इसमें शामिल नहीं हो पाए।

श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना भी चोट के कारण फिलहाल उपलब्ध नहीं हैं। हालांकि उन्हें रिप्लेस नहीं करना चाहती क्योंकि फ्रेंचाइजी को उम्मीद है कि वे के दौरान किसी समय टीम से जुड़ सकते हैं। ने मेगा ऑक्शन में पथिराना को 18 करोड़ रुपए में खरीदा था। सोमवार को उनके मैनेजर ने जर्सी में उनकी तस्वीर साझा की, जिससे उनके टूर्नामेंट में खेलने की उम्मीद बढ़ गई है। 13 मार्च को ने जिम्बाब्वे के तेज गेंदबाज ब्लेसिंग मुजरबानी को अपने साथ जोड़ा था। फ्रेंचाइजी ने उन्हें बांग्लादेशी तेज गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के रिप्लेसमेंट के रूप में साइन किया है। रहमान को के निर्देश के बाद फ्रेंचाइजी ने रिलीज कर दिया था।

एशिया कप की तर्ज पर शुरू हो रहा है नया क्रिकेट टूर्नामेंट

नई दिल्ली। एशिया कप की तर्ज पर यूरो नेशंस कप टूर्नामेंट होगा, जिसमें इंग्लैंड, आयरलैंड आदि टीमें खेलेंगी. क्रिकेट आयरलैंड के चेयरमैन ब्रायन मैकनीस ने भरोसा जताया कि 2027 तक ये टूर्नामेंट शुरू हो जाएगा, जो पुरुष और महिला कैटेगरी में खेला जाएगा. शुक्रवार को आयरलैंड के 2026 के घरेलू इंटरनेशनल मैचों की घोषणा करते हुए मैकनीस ने कहा कि वह इसे लेकर बहुत ज्यादा उत्साहित हैं।

यूरो नेशंस कप क्षेत्रिय क्रिकेट के विकास के लिए महत्वपूर्ण होगा. जैसे एशिया कप में एशिया की टीमें खेलती हैं, इसी तरह यूरो नेशंस कप में यूरोप की टीमें खेलेंगी. इसमें इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, इटली, नीदरलैंड्स आदि टीमें खेल सकती हैं. मैकनीस ने बताया कि वह इस आईडिया को लेकर उत्साहित हैं और पिछले साल उन्होंने इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों के सामने इसे रखा था. ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड इस प्रस्ताव से जुडी हाल कि चर्चाओं में शामिल नहीं रहा।

ब्रायन मैकनीस ने कहा, ''कई समय से अलग-अलग लोगों के साथ मैं इस पर चर्चा कर रहा हूं. ये ऐसा आईडिया है, जिस पर मुझे भरोसा है और इसे लेकर मैं बहुत उत्साहित भी हूं. बातचीत आगे बढ़ रही है और मुझे पूरा भरोसा है कि यह टूर्नामेंट जरूर होगा.'' उन्होंने उम्मीद जताई कि 2027 की गर्मियों में ये टूर्नामेंट जरूर शुरू हो जाएगा. उन्होंने कहा, ''इसके फॉर्मेट और अन्य जानकारियां भी आने वाले दिनों में बताई जाएंगी.'' मैकनीस ने भरोसा जताया कि अगले कुछ महीनों में इसका आधिकारिक एलान हो जाएगा. उन्होंने कहा, ''टूर्नामेंट से जुड़े अलग-अलग संगठनों और लोगों के साथ चर्चाएं हो रही हैं, मैं साफ कर दूं कि ये पुरुष और महिला इवेंट होगा. ब्रॉडकास्टर्स के नजरिए से अभी इस पर बात करना जल्दबाजी होगी. जब तक कुछ पक्का न हो जाए, कुछ कहना जल्दबाजी होगी.'' उन्होंने उम्मीद जताई कि ब्रॉडकास्टर्स इसमें दिलचस्पी जरूर दिखाएंगे। शुक्रवार को क्रिकेट आयरलैंड ने यूएई और नेपाल क्रिकेट एसोसिएशन के साथ एक कॉन्ट्रैक्ट किया. इसके तहत आयरलैंड की पुरुष नेशनल क्रिकेट टीम नियमित तौर पर यूएई और नेपाल के साथ वाइट बॉल सीरीज खेलेगी. वहीं 2026-2027 से इंटरनेशनल लीग टी20 में हर फ्रेंचाइजी को आयरलैंड के कम से कम एक प्लेयर को शामिल करना होगा।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में सुदर्शन मीणा ने राजस्थान का नाम किया रोशन

बूंदी। जिले के लिए गौरव का क्षण तब आया, जब 19 से 21 मार्च तक ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर में आयोजित 24वीं नेशनल पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बूंदी के प्रतिभाशाली खिलाड़ी सुदर्शन मीणा ने 'गोलाफेंक' स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर राजस्थान का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर दिया।देशभर के 18 राज्यों से आए खिलाड़ियों की कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सुदर्शन मीणा ने 12.30 मीटर दूर गोला फेंककर शानदार प्रदर्शन करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया। शुरुआत से ही उन्होंने अपनी तकनीक, संतुलन और आत्मविश्वास का प्रभावी प्रदर्शन किया, जिससे वे लगातार बढ़ त बनाए रखते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाने में सफल रहे। जिला खेल अधिकारी हर्षवर्धन सिंह ने बताया कि सुदर्शन वर्तमान में खेल संकुल में अल्पकालिक पैरा एथलेटिक्स प्रशिक्षक के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

हसरंगा, पथिराना सहित 4 खिलाड़ियों की एनओसी अटकी, फिटनेस टेस्ट पास करने पर ही मिल सकेगी मंजूरी

नई दिल्ली। श्रीलंका क्रिकेट ने स्पष्ट किया है कि खेलने के लिए खिलाड़ियों को नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट तभी मिलेगा, जब वे फिटनेस टेस्ट पास करेंगे। श्रीलंका के आठ खिलाड़ी इस बार की विभिन्न टीमों का हिस्सा हैं। इनमें दुश्मंथा चमीरा, पथुम निसांका और कामिंदु मेंडिस फिटनेस टेस्ट पास कर चुके हैं, जिसके बाद उन्हें में खेलने की अनुमति मिल गई है। वहीं बोर्ड ने यह भी साफ किया है कि वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना, नुवान थुशारा और ईशान मलिंगा की में भागीदारी उनके 'फिजिकल परफॉर्मेंस टेस्ट' के नतीजों पर निर्भर करेगी। फिलहाल ये सभी खिलाड़ी चोटों से उबर रहे हैं और रिहैबिलिटेशन की प्रक्रिया में हैं।

2026 की शुरुआत 28 मार्च से होगी, और कई श्रीलंकाई खिलाड़ी जल्द ही अपनी-अपनी टीमों से जुड सकते हैं। इंजरी से जूझ रहे हैं स्टार खिलाड़ी, पथिराना शुरुआती मैच मिस करेंगे । बोर्ड के मुताबिक, हसरंगा, मलिंगा और पथिराना ने के लिए मांगी है, लेकिन अभी तक उनका फिटनेस टेस्ट नहीं हुआ है। ये तीनों खिलाड़ी टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान या उससे ठीक पहले चोटिल हो गए थे। चेन्नई सुपर किंग्स के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना का के शुरुआती मैचों से बाहर रहना लगभग तय है। उनके अप्रैल के मध्य तक फिट होने की उम्मीद है। 8 हफ्ते का कड़ा ट्रेनिंग प्रोग्राम, पास करना होगा 2 किलोमीटर का स्प्रिंट श्रीलंका बोर्ड ने सभी नेशनल कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों के लिए 8 हफ्ते का स्पेशल फिजिकल ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किया है। बोर्ड का कहना है कि यह पहल आने वाले इंटरनेशनल मैचों के लिए खिलाड़ियों के फिटनेस स्तर को सुधारने के लिए की गई है। इस टेस्ट में 2 किलोमीटर की स्प्रिंट (दौड़) सहित कई अन्य कड़े फिजिकल टेस्ट शामिल हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि जो खिलाड़ी इन मानकों को पूरा करेंगे, उन्हें ही और घरेलू टूर्नामेंट खेलने की अनुमति दी जाएगी। चयन समिति और खेल मंत्रालय का सख्त रुख फिटनेस पर इस नए फोकस के पीछे पूर्व क्रिकेटर प्रमोद विक्रमसिंघे की अगुवाई वाली नई चयन समिति और श्रीलंकाई सरकार का खेल मंत्रालय है।

महावीर स्कूल एलुमनी एसोसिएशन द्वारा खेल महोत्सव आज

जयपुर। महावीर स्कूल एलुमनी एसोसिएशन के अध्यक्ष राजू मंगोड़ीवाला के अनुसार 22 मार्च को महावीर स्कूल प्रांगण में होने वाले खेल महोत्सव में लगभग 200 खिलाड़ी तथा 500 एलमुनाई भाग लेंगे।

यह अपनी तरह की पहली प्रतियोगिता होगी इसमें सेंट जेवियर स्कूल, महेश्वरी स्कूल, विद्याश्रम एवं महावीर स्कूल के एलमुनाई के बीच में क्रिकेट ,बैडमिंटन ,टेबल टेनिस तथा चैस की प्रतियोगिता खेली जाएगी संस्था केसचिव डॉक्टर साकेत माथुर ने प्रतियोगिता सुबह 8:00 से शुरू हो जाएगी तथा उद्घाटन में मुख्य अतिथि महात्मा ज्योति राव फुले यूनिवर्सिटी के चैयरमैन निर्मल पंवार प्रतियोगिता का उद्घाटन करेंगे तथा समापन समारोह व परितोषित वितरण में मुख्य अतिथि राजस्थान हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद शर्मा व विशिष्ट अतिथि क्रिकेट खिलाड़ी तथा भारत पेट्रोलियम के चीफ जनरल मैनेजर दीपक जैन होंगे।

टीम इंडिया जून में आयरलैंड दौरे पर जाएगी

दो मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी, 8 साल में चौथा दौरा होगा

नई दिल्ली। भारत की फूल स्ट्रेंथ टीम जून 2026 में आयरलैंड दौरे पर जाएगी, जहां दोनों टीमों के बीच दो मैचों की टी-20 इंटरनेशनल सीरीज खेली जाएगी। ने इस दौरे का शेड्यूल शनिवार को घोषित कर दिया गया है।

यह सीरीज वर्ल्ड कप जीत के बाद भारत की पहली टी-20 सीरीज होगी। भारत ने 8 मार्च को अहमदाबाद में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर खिताब अपने नाम किया था।

8 साल में चौथा दौरा भारत ने पिछले आठ सालों में (2018, 2022 और 2023) तीन बार आयरलैंड का दौरा किया है। आयरलैंड के लिए यह दौरा व्यस्त 2026 कार्यक्रम का हिस्सा है।

उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मुकाबला और अफगानिस्तान के खिलाफ पांच वनडे मुकाबले भी खेलने हैं। भारत को नहीं हरा सकी आयरलैंड भारत और आयरलैंड के बीच अब तक 3 टी-20 सीरीज खेले गए हैं। साल 2018 और 2022 में खेले गए दोनों ही दौरे पर भारत ने 2-0 से क्लीन स्वीप किया था। वहीं 2023 की तीन मैचों की सीरीज में भी भारतीय टीम ने 2-0 से जीत दर्ज की, जबकि एक मुकाबला नहीं हो सका।

ये तीनों सीरीज आयरलैंड में ही खेली गई। अफगानिस्तान के खिलाफ भी खेलेगी टीम के बाद भारतीय टीम जून में अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज खेलेगी। इसकी शुरुआत 6 जून से एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन वनडे मुकाबले खेले जाएंगे। पहला वनडे 14 जून को धर्मशाला में, दूसरा 17 जून को लखनऊ और तीसरा 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

इंग्लैंड का भी दौरा करेगा भारत भारत इस साल इंग्लैंड का दौरा करेगा। दोनों टीमों के बीच आठ वाइट बॉल मैच खेले जाएंगे। भारत जुलाई में पांच टी-20 और तीन वनडे मैच खेलने के लिए इंग्लैंड दौरा करेगा। 28 मार्च से शुरू हो रहा भारतीय खिलाड़ियों के लिए खास रहने वाला है। टी-20 फॉर्मेट में खेली जानी वाली इस लीग से टीम इंडिया की वनडे वनडे वर्ल्ड कप 2027 की टीम तय होगी। न्यूज एजेंसी ने सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की सिलेक्शन कमेटी ने 20 खिलाड़ियों को शॉर्टलिस्ट किया है, जिनके प्रदर्शन पर इस के दौरान खास नजर रखी जाएगी। अजित अगरकर की अगुवाई वाली समिति का फोकस इन खिलाड़ियों की फॉर्म और फिटनेस पर रहेगा।

पाकिस्तान क्रिकेट में टॉक्सिक माहौल

पूर्व कोच गैरी कर्स्टन का खुलासा, छह महीने में ही पद छोड़ दिया था

नई दिल्ली। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने खुलासा किया कि टीम के भीतर लगातार दखलअंदाजी और खराब माहौल के कारण काम करना बेहद मुश्किल हो गया था।

कर्स्टन ने छह महीने में ही पाकिस्तान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। कर्स्टन ने कहा, में बाहरी हस्तक्षेप बहुत ज्यादा था, जिससे टीम के फैसलों और प्रदर्शन पर निगेटिव असर पड़ता था। उन्होंने कहा, ऐसे टॉक्सिक माहौल में किसी भी कोच के लिए सफल होना लगभग असंभव है।

गैरी कर्स्टन ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट से बताया, मेरे लिए सबसे हैरान करने वाली चीज लगातार होने वाला बाहरी हस्तक्षेप था। इस वजह से कोच के तौर पर टीम के साथ सही तरीके से काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है। कर्स्टन ने आगे कहा, टीम के खराब प्रदर्शन के बाद माहौल और भी तनावपूर्ण हो जाता था। पाकिस्तान क्रिकेट में खराब प्रदर्शन का ठीकरा सबसे पहले कोच के सिर फोड़ा जाता है।

पाकिस्तानी कोच का पद बीच में छोड़ा कर्स्टन अप्रैल 2024 में पाकिस्तान टीम के व्हाइट बॉल कोच बने थे, लेकिन बोर्ड और खिलाड़ियों के साथ मतभेद के कारण उन्होंने 6 महीने में ही पद छोड़ दिया था। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ( ) पर आरोप लगाए हैं।

उन्होंने खुलासा किया कि टीम के भीतर लगातार दखलअंदाजी और खराब माहौल के कारण काम करना बेहद मुश्किल हो गया था। कर्स्टन ने छह महीने में ही पाकिस्तान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। कर्स्टन ने कहा, में बाहरी हस्तक्षेप बहुत ज्यादा था, जिससे टीम के फैसलों और प्रदर्शन पर निगेटिव असर पड़ता था। उन्होंने कहा, ऐसे टॉक्सिक माहौल में किसी भी कोच के लिए सफल होना लगभग असंभव है।

गैरी कर्स्टन ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट से बताया, मेरे लिए सबसे हैरान करने वाली चीज लगातार होने वाला बाहरी हस्तक्षेप था। इस वजह से कोच के तौर पर टीम के साथ सही तरीके से काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है।

कर्स्टन ने आगे कहा, टीम के खराब प्रदर्शन के बाद माहौल और भी तनावपूर्ण हो जाता था। पाकिस्तान क्रिकेट में खराब प्रदर्शन का ठीकरा सबसे पहले कोच के सिर फोड़ा जाता है। पाकिस्तानी कोच का पद बीच में छोड़ा कर्स्टन अप्रैल 2024 में पाकिस्तान टीम के व्हाइट बॉल कोच बने थे, लेकिन बोर्ड और खिलाड़ियों के साथ मतभेद के कारण उन्होंने 6 महीने में ही पद छोड़ दिया था।

डॉ. ए.पी.जे.अब्दुल कलाम स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता

अभय की शानदार पारी और अनुज व उमेश की गेंदबाजी से एस जे स्कूल अकेडमी क्वार्टर फाइनल में

जयपुर, 21मार्च। मैत्री क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित चौथी डा एपीजे अब्दुल कलाम स्मृति लीग कम नॉक आउट प्रतियोगिता के अंतर्गत आज खेले गये मैच में अभय शर्मा 85 रन की शानदार अर्द्ध शतकीय पारी तथा अनुज 25/3 विकेट, उमेश मीना 27/3 की शानदार गेंदबाजी की बदौलत बिमल क्रिकेट अकेडमी को 47 रन से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एस. जे. स्कूल अकेडमी ने अभय शर्मा 85 रन ,हर्ष सैनी 56 रन, रिहान अली 27 रन की मदद से निर्धारित 20 ओवर मे 8 विकेट खोकर 205 रन बनाये बिमल अकेडमी की तरफ से कुलदीप सिंह 24/2 विकेट तथा वरुण व केशव प्रत्येक 1-1 विकेट ल ेकर सफल गेंदबाज रहे जवाबी पारी में बिमल क्रिकेट अकेडमी ने अंकित मनका 69रन , केशव 23 रन , रक्षित श्रीमाल19 रन की परियों के बावजूद इस जे स्कूल के गेंदबाजोंअनुज 25/3, उमेश मीना 27/3 शुभम खंडेलवाल व दिनेश मीना 1-1विकेट की गेंदबाजी के समक्ष 18.5 ओवर में 158 रन बनाकर पूरी टीम सिमट गयी।

इस मैच का मैन ऑफ द मैच अभय शर्मा एस जे स्कूल अकेडमी रहे संक्षिप्त स्कोर: एस जे क्रिकेट अकेडमी 205 रन8 विकेट खोकर 20 ओवर मे, बिमल क्रिकेट अकेडमी158 रन आल आउट 18.5 ओवर में रहे।

मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े बने नए चैंपियन, जीता पहला खिताब

नई दिल्ली। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड (पीएसपीबी) के मानव ठक्कर और यशस्विनी घोरपड़े ने शनिवार को यहां सीनियर राष्ट्रीय टेबल टेनिस चैंपियनशिप में अपना पहला एकल खिताब जीता। पुरुषों के फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त मानव ने अपेक्षानुरूप प्रदर्शन करते हुए रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) के जीत चंद्र पर 4-1 (11-2 11-4 6-11 11-9 11-3) की शानदार जीत हासिल की। इसके विपरीत महिला एकल के फाइनल में काफी कड़ा मुकाबला देखने को मिला तथा आखिर तक रोमांच बन रहा। आखिर में यशस्विनी ने अपना नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज करा लिया। उन्होंने फाइनल में पीएसपीबी की युवा खिलाड़ी सिंड्रेला दास पर 4-3 (11-6 12-14 11-5 9-11 13-11 6-11 11-8) से जीत हासिल करके खिताब अपने नाम किया। मिश्रित युगल फाइनल में अंकुर भट्टाचार्जी (पश्चिम बंगाल) और सुहाना सैनी (हरियाणा) ने अनिकेत बोस और सम्प्रीति रॉय की पश्चिम बंगाल की जोड़ी को पांच गेम के रोमांचक मुकाबले में 3-2 (11-9 11-7 9-11 13-15 12-10) से हराया।

जालोर में एक जिला एक खेल बॉक्सिंग के तहत जिला स्तरीय प्रतियोगिता सम्पन्न

जालोर, 21 मार्च (कासं)। राजस्थान सरकार की महत्वाकांक्षी योजना एक जिला एक खेल बॉक्सिंग के अंतर्गत जिला स्तरीय एकदिवसीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन स्वर्णगिरी स्पोर्ट्स फाउंडेशन (क्रीडा भारती केंद्र-2), पंच गौरव क्रीडा स्थल पर सफलतापूर्वक किया गया।

जिला खेल अधिकारी अमित कुमार शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता एवं जालौर विधानसभा संयोजक गणपत सिंह बगेडिया रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यावरण ब्रांड एंबेसडर शंकर सिंह राजपुरोहित ने की। विशेष अतिथियों के रूप में जिला कोषाधिकारी भूपेंद्र कुमार मकवाना, एसीबीओ जबर सिंह देवडा तथा क्रीडा भारती के महासचिव भागीरथ गर्ग उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि गणपत सिंह बगेडिया ने अपने उद्बोधन में राजस्थान सरकार की पंच गौरव योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना से ग्रामीण क्षेत्रों के बालक-बालिकाओं को खेलों में आगे बढने का अवसर मिलेगा। अध्यक्षता कर रहे शंकर सिंह राजपुरोहित ने खिलाडयों को खेल भावना से खेलने तथा हार से सीख लेकर आगे बढने की प्रेरणा दी। बॉक्सिंग प्रशिक्षक पुष्पेंद्र परमार ने बताया कि प्रतियोगिता 40 किग्रा उत्कर्ष मिश्रा (प्रथम), आदित्य सुंदेशा (द्वितीय), ललित (तृतीय), 42 किग्रा में प्रीतम (प्रथम), कुणाल सिंह (द्वितीय), महिपाल (तृतीय), 44 किग्रा अतुल गर्ग (प्रथम), पीयूष मेवाडा (द्वितीय), कुश गर्ग (तृतीय), 46 किग्रा में अभिजीत सिंह (प्रथम), अंकुश (द्वितीय), भरत कुमार (तृतीय), 48 किग्रा यशवीर सिंह (प्रथम), लव गर्ग (द्वितीय), गणेश (तृतीय), 50 किग्रा सचिन (प्रथम), कृष्ण कुमार राणा (द्वितीय), 54 किग्रा में यश टॉक (प्रथम), यशपाल (द्वितीय), 57 किग्रा कोहिनूर (प्रथम), युवराज सिंह (द्वितीय), 60 किग्रा में चंद्र मोहन (प्रथम), हितेश (द्वितीय), 63 किग्रा लक्ष्मण (प्रथम), सूरज (द्वितीय), 66 किग्रा भानाराम (प्रथम), गौरव (द्वितीय), 70 किग्रा में प्रिंस (प्रथम), रुद्र प्रताप सिंह (द्वितीय), 75 किग्रा हिमांशु (प्रथम), ध्रुव सिंह (द्वितीय), 80 किग्रा में विकास जाट (प्रथम), साहिल (द्वितीय), 80 किग्रा में मानवेन्द्र सिंह राजपुरोहित (प्रथम), राघव (द्वितीय) पर रहा।

भजनलाल केरल में: चार प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए

केरल, 21 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को केरल में भाजपा के विधानसभा प्रत्याशियों, भाजपा अध्यक्ष एवं नेमोम विधानसभा प्रत्याशी राजीव चन्द्रशेखर, कझाक्कुट्टम विधानसभा प्रत्याशी वी. मुरलीधरन, कट्टाकड़ा विधानसभा प्रत्याशी पी.के. कृष्णदास और वट्टियोरकावु विधानसभा प्रत्याशी आर. श्रीलेखा के नामांकन में शामिल हुए।

> ■ तिरुवनंतपुरम में मुख्यमंत्री ने पहले पद्मनाभ स्वामी मंदिर में भगवान विष्णु के दर्शन किए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को केरल में भाजपा के चार विधानसभा प्रत्याशियों के नामांकन में शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केरल की जनता विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों को अपना समर्थन देकर "विकसित भारत-विकसित केरल" के संकल्प को साकार करेगी। उन्होंने कहा कि ये सभी प्रत्याशी जनभावना के अनुरूप केरल में सुशासन और विकास की मजबूत नींव स्थापित करेंगे। इस बार केरल की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है। मुख्यमंत्री ने तिरुवनंतपुरम के भाजपा प्रदेश कार्यालय में पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पी. परमेश्वरन की प्रतिमाओं पर पुष्पांजलि अर्पित की। इससे पहले, उन्होंने पद्मनाभस्वामी मंदिर में भगवान विष्णु के दर्शन किए। मुख्यमंत्री का तिरुवनंतपुरम पहुंचने पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया।

हाई कोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उन्होंने अधिकारियों को संपत्ति का तत्काल कब्जा लेने का निर्देश दिया।

अदालत ने कहा कि यह भूखण्ड, जिसे 1979 में कई मीडिया संगठनों के लिए एक संयुक्त कार्यालय परिसर के निर्माण हेतु आवंटित किया गया था, चार दशकों से अधिक समय तक अविकसित पड़ा रहा।

आवंटन संरचना में कई बार संशोधन और प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया (पीसीआई) जैसे सह-आवंटियों को शामिल किए जाने के बावजूद, कोई सार्थक निर्माण नहीं हुआ।

यूएनआई ने तर्क दिया कि देरी का कारण बदलती सरकारी नीतियां, जिम्मेदारियों को लेकर अस्पष्टता और कई पक्षों की भागीदारी थी। उसने यह भी कहा कि केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग जैसी एजेंसियों को निर्माण योजनाएं शुरू करनी थीं।

लेकिन अदालत ने इन दावों और दलीलों को खारिज कर दिया और कहा कि यूएनआई "45 वर्षों से अधिक समय तक मूल्यवान सार्वजनिक भूमि पर प्रभावी रूप से कब्जा जमाए हुए है, जबकि वह अपनी जिम्मेदारियों को पूरा करने में असमर्थ रही है।"

वोटर लिस्ट विवादों की सुनवाई के लिए प.बंगाल में 19 अपेलैट गठित

बंगाल चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने महत्वपूर्ण कदम उठाया

कोलकाता, 21 मार्च। आगामी विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाने के उद्देश्य से भारतीय निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में 19 अपीलीय अधिकरणों के गठन की अधिसूचना जारी की है।

> ■ आयोग ने कहा कि यह फैसला सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के 10 मार्च 2026 के आदेश के तहत किया गया है।

ये अधिकरण विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान, मतदाता सूची में नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े विवादों पर सुनवाई करेंगे।

निर्वाचन आयोग की शुक्रवार रात जारी अधिसूचना के अनुसार, यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के 10 मार्च 2026 के आदेश तथा कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सिफारिश के आधार पर लिया गया है।

गठित 19 अधिकरणों में से 18 की अध्यक्षता उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश करेंगे, जबकि एक अधिकरण की अध्यक्षता कलकत्ता उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश करेंगे।

तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टी. एस. शिवगणनम को कोलकाता क्षेत्र से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी दी गई है। उनके अधिकरण के अधिकार क्षेत्र में कोलकाता दक्षिण, कोलकाता उत्तर और उत्तर 24 परगना के चुनावी जिले शामिल होंगे।

अधिसूचना में कहा गया है कि पूरक मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद संबंधित पक्ष नाम जोड़ने या हटाने से जुड़े न्यायिक अधिकारियों के फैसलों के खिलाफ अपील कर सकेंगे।

अपील दो तरीकों से दायर की जा सकेगी। ऑनलाइन आयोग के डिजिटल मंच के माध्यम से या जिलाधिकारी, उप मंडलाधिकारी अथवा अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय में ऑफलाइन आवेदन देकर, जिसे बाद में डिजिटल प्रणाली पर अपलोड किया जाएगा।

निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि ये अधिकरण तत्काल प्रभाव से काम शुरू करेंगे और संबंधित जिलों की सभी अपीलों का निपटारा होने के बाद स्वतः समाप्त हो जाएंगे।

राष्ट्रपति ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने अपने संदेश में कहा, ईद मुबारक! यह पावन पर्व आशा, सद्भाव और करुणा को प्रोत्साहित करे तथा सभी के जीवन में खुशियां और सफलता लेकर आए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक्स' पर अपने संदेश में देशवासियों को ईद-उल-फितर की बधाई देते हुए कहा कि यह दिन समाज में भाईचारा और दया की भावना को और मजबूत करे। उन्होंने सभी के सुख, शांति और उत्तम स्वास्थ्य की कामना की।

ईरान ने 4000 किलो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिसाइलों में से एक को बीच में ही रोक लिया गया, जबकि दूसरी लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही खराब हो गई।

इसी तरह, ईरान ने इज़रायल के एक एफ-16 विमान को भी निशाना बनाया, जिससे अमेरिका-इज़रायल के इस दावे पर सवाल उठ गया कि ईरान के आसमान पर उनका पूरी तरह से नियंत्रण है।

एक तरह से तेजी से हो रहे ये घटनाक्रम ईरान युद्ध को लेकर नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर रहे हैं। डॉनल्ड ट्रंप पहले से ही ईरान के खिलाफ अपना युद्ध खत्म करने की बात कर रहे हैं और पूरी जीत का दावा कर रहे हैं। यह दावा साफ तौर पर खोखला है, लेकिन वे गंभीरता से इस स्थिति से निकलने का रास्ता तलाश रहे हैं। अमेरिका ईरान के प्रति कई सुलह भरे संकेत भी दे रहा है।

कठिन परिस्थितियों में अमेरिका ने समुद्र में मौजूद ईरान के तेल पर लगे सभी प्रतिबंध हटाने की घोषणा कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, लगभग 14 करोड़ बैरल (करीब 14 अरब डॉलर मूल्य) ईरानी तेल को वैश्विक बाजार में बेचने की अनुमति दे दी गई है, ताकि तेल और गैस की उपलब्धता बढ़ सके। जैसे-जैसे अमेरिका के पेट्रोल पंपों पर कीमतें बढ़ रहीं हैं, ट्रंप ईरान के तेल पर अपना रुख बदलने को मजबूर हो रहे हैं।

यह कदम दरअसल उसी प्रक्रिया को औपचारिक रूप देता है, जो समुद्र में पहले से घटित हो रही थी। ईरान पहले ही अपने फंसे हुए तेल को बेच रहा था, लेकिन अब अमेरिका द्वारा प्रतिबंध हटाने से इसकी बिक्री और आसान हो जाएगी। बाजार में अतिरिक्त तेल आने से उम्मीद है कि कीमतें थी स्थिर होंगी।

यह अमेरिका की एक मजबूरी भरी कोशिश है, क्योंकि तेल की बढ़ती कीमतें दुनिया भर के देशों को नुकसान पहुंचा रही हैं। लेकिन ईरान के तेल पर प्रतिबंध में ढील देने से चीन को फायदा हो सकता है, जो अपने बड़े भंडार को और मजबूत करने के लिए इस अतिरिक्त तेल को खरीद सकता है।

बताया जाता है कि चीन के पास अपने रणनीतिक भंडार में पहले से ही 1 अरब बैरल से अधिक तेल मौजूद है।

दूसरी ओर, डॉनल्ड ट्रंप ने पिछले दो दिनों में बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिका को अपने तेल हितों के लिए होर्मुज़ जलडमरूमध्य की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि इस रास्ते को खोलना आसान है और इसके लिए सिर्फ कुछ जहाजों और कई देशों के सहयोग की जरूरत होग़ी, ताकि वहाँ से सुरक्षित गुज़रना सुनिश्चित किया जा सके।

इस बीच, पश्चिम एशिया के पड़ोसी देश अब ईरान के खिलाफ कार्रवाई के लिए अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों का अधिक उपयोग करने की छूट देने पर राजी होते दिख रहे हैं। सऊदी अरब, यूएई जैसे देश अब सक्रिय हो रहे हैं, क्योंकि ईरान द्वारा उनके देशों और उनके तेल-गैस ठिकानों पर हमलों की संख्या बढ़ रही है।

नीतीश ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार के साथ मीटिंग की। पटना में ईद मिलन कार्यक्रम के बाद, उन्होंने केन्द्रीय मंत्री और वरिष्ठ नेता लल्लन सिंह से उनके आवास पर मुलाकात की। खबरों के मुताबिक, इन बैठकों में बिहार की वर्तमान राजनीतिक स्थिति और भविष्य की रणनीतियों पर चर्चा हुई।

8 मार्च को जदयू में शामिल होने के बाद से निशांत कुमार को लल्लन सिंह और संजय झा सहित, कई वरिष्ठ नेताओं का मजबूत समर्थन मिला है।

राज्यों को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

एलपीजी (एफटीएल) सिलेंडर प्रवासी मजदूरों को उपलब्ध कराए जाएं। इस बारे में सचिव ने राज्यों को सख्त निर्देश दिए हैं कि इस अतिरिक्त आवंटन की कालाबाजारी या डायवर्जन (गलत इस्तेमाल) न हो, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

यूथ कांग्रेस अध्यक्ष का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इनमें शामिल हैं: अनिल चोपड़ा, जो जयपुर ग्रामीण से लोकसभा चुनाव लड़ चुके हैं।

दूसरे हैं मुकुल खींचड़, जो वर्तमान में सीकर के युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष हैं और जिन्हें मुकेश भाकर का समर्थन प्राप्त है।

तीसरे हैं कार्तिक चौधरी, जिन्होंने राजसमंद से लोकसभा और डेगाना से विधानसभा टिकट की मांग की थी।

अभिषेक चौधरी एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं और झोटवाड़ा से लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। उन्हें अशोक चांदना और गोविंद डोटासरा का समर्थन प्राप्त है।

वहीं, वर्तमान युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अभिमन्यु पूनिया, अनिल चोपड़ा का समर्थन कर रहे हैं।

सीकर के नेता सीताराम लाम्बा, राजकुमार परसवाल का समर्थन कर रहे हैं, जो स्वयं भी सीकर से हैं।

सीकर, डोटासरा का मजबूत गढ़ माना जाता है। ऐसे में यदि राजकुमार परसवाल जीतते हैं, तो यह डोटासरा की ताकत को कमजोर कर सकता है। साथ ही, मुकुल खींचड़ और राजकुमार परसवाल भविष्य में सीकर में डोटासरा को चुनौती दे सकते हैं।

संभावित उम्मीदवारों में से कोई भी सीधे तौर पर अशोक गहलोत खेमे से नहीं है, लेकिन सूत्रों के अनुसार, गहलोत, सीताराम लाम्बा के माध्यम से राजकुमार परसवाल का समर्थन कर रहे हैं। राजस्थान युवा कांग्रेस अध्यक्ष का चुनाव एक दिलचस्प राजनीतिक कवायद बनने जा रहा है, जहां वरिष्ठ नेता इसे आगामी विधानसभा चुनावों के लिए एक 'प्रॉक्सी लड़ाई' के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं और यह इस बात पर निर्भर करेगा कि यूथ कांग्रेस और उसके संगठन पर किसका नियंत्रण होता है।

युवा कांग्रेस की केन्द्रीय इकाई, प्रदर्शन रिपोर्ट के आधार पर उम्मीदवारों की सूची जारी करेगी, और जिनका नाम उसमें होगा, वही चुनाव लड़ सकेंगे।

यह प्रणाली भले ही अजीब लगे, लेकिन इसी तरह राहुल गांधी ने युवा कांग्रेस के चुनावों को संरचित किया है, जिसकी पहले भी काफी आलोचना हो चुकी है।

मोदी ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की रक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के महत्व को दोहराया कि अंतरराष्ट्रीय शिपिंग मार्ग खुले और सुरक्षित रहें। इसके अतिरिक्त मोदी ने ईरान द्वारा देश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने में दिए जा रहे निरंतर सहयोग की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि 28 फरवरी को पश्चिम एशिया में संघर्ष शुरू होने के बाद दोनों नेताओं के बीच यह टेलीफोन पर दूसरी बातचीत है, जिसमें क्षेत्रीय सुरक्षा और स्थिरता के मुद्दों पर चर्चा की गई। इससे पहले उन्होंने 12 मार्च को टेलीफोन पर बातचीत की थी।

'होर्मुज़ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अन्य जहाज़ों को सुरक्षित मार्ग प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि जापान जैसे सहयोगी देशों के जहाज़ों के लिए ईरान सुरक्षा सुनिश्चित करने को तैयार है।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा कि तेहरान अस्थायी युद्धविराम के बजाय पूर्ण, व्यापक और स्थायी युद्ध समाप्ति चाहता है। कहा कि ईरान की जवाबी कार्रवाई आत्मरक्षा के तहत जारी रहेगी।

साउथ ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ही रणनीतिक हो गई है। साउथ पार्स भारत से दूर हो सकता है, लेकिन वहां की कोई भी अशांति भारतीय अर्थव्यवस्था को सीधे प्रभावित कर सकती है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908